Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

डाक पंजीयन संख्या:-एल-2/9/रजि0/ए0डी0/119/15-17

संस्करण : लखनऊ
वर्ष : 11
अंक : 258
पृष्ठ : 6
मूल्य : 1.00
लखनऊ-गुरूवार,15 जनवरी 2026

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

लखनऊ, प्रयागराज,ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

3 मुआवजा घोटाले में फंसे अफसरों के साथ बीबी | 4 अमेरिका-यूरोप के गठजोड़ में टूट का हम फायदा उठाएं | 5 वो ऐसे शख्स जो मेरे लिए बहुत जरुरी..अर्जुन

पोंगल पर्व में शामिल हुए पीएम

प्रकृति के संरक्षण की प्रेरणा देता है यह त्यौहार:पीएम

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों को पोंगल पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा है कि यह पर्व हमें प्रकृति के संरक्षण को जीवन शैली का हिस्सा बनाने की प्रेरणा देता है। श्री मोदी बुधवार को यहां केंद्रीय मंत्री एल मुरूगन के निवास पर पोंगल उत्सव में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा, पोंगल का पर्व हमें प्रेरणा देता है कि पृथ्वी के प्रति आभार केवल शब्दों तक सीमित ना रहे उसे हम जीवन शैली का हिस्सा बनाएं। उन्होंने कहा कि जब ये धरती हमें इतना कुछ देती है, उसे संजोने का दायित्व भी हमारा है। अगली पीढ़ी के लिए मिट्टी को स्वस्थ रखना, पानी को बचाना और संसाधनों का संतुलित उपयोग करना, सबसे जरूरी है। मिशन लाइफ, एक पेड़ मां के नाम, अमृत सरोवर, जैसे हमारे अभियान इसी भावना को आगे बढ़ाते हैं। हम खेती को अधिक सतत और पर्यावरण के अनुकूल बनाने के लिए निरंतर काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि पोंगल एक वैश्विक त्योहार बन चुका है। दुनिया भर में तमिल समुदाय और तमिल संस्कृति से प्रेम करने वाले लोग इसे उत्साह के साथ मनाते हैं। उन्होंने कहा कि तमिल जीवन में पोंगल एक सुखद अनुभूति की तरह है, इसमें अन्नदाता की मेहनत, धरती और सूर्य के प्रति आभार का भाव है, साथ ही ये पर्व हमें प्रकृति, परिवार और समाज में संतुलन बनाने का रास्ता दिखाता है। उन्होंने कहा, इस समय देश के अलग-अलग हिस्सों में लोहड़ी, मकर संक्रांति, माघ बिहू और अन्य त्योहारों की भी उमंग है। मैं भारत और दुनिया भर में रहने वाले सभी तमिल भाई-बहनों को पोंगल की और सभी पर्वों की बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं। पिछले वर्ष तमिल संस्कृति से जुड़े कई कार्यक्रमों में शामिल होने का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा तमिल संस्कृति पूरे भारत की साझी विरासत है, इतना ही नहीं, पूरी मानवता की ये साझी विरासत है। पोंगल जैसे पर्व एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना को और सशक्त बनाते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि दुनिया की लगभग सभी सभ्यताओं में फसलों से जुड़ा कोई न कोई उत्सव मनाया जाता है। तमिल संस्कृति में किसान को जीवन का आधार माना गया है। तिरुक्कुरल में कृषि और किसानों पर विस्तार से लिखा गया है। हमारे किसान राष्ट्र निर्माण के मजबूत साथी हैं, उनके प्रयासों से आत्मनिर्भर भारत अभियान को बहुत मजबूती मिल रही है। केंद्र सरकार भी किसानों को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध होकर लगातार काम कर रही है। पीएम मोदी ने कहा कि तमिल संस्कृति दुनिया की सबसे प्राचीन जीवित सभ्यताओं में से एक है।

विंटर टूरीज्म कानक्लेव में पहुंचे सीएम धामी

इकॉलोजी और इकोनॉमी का संतुलन बनाना जरूरी:धामी

उत्तरकाशी (एजेंसी)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी जी उत्तरकाशी पहुंचे चुके हैं। कुछ ही क्षणों में निम उत्तरकाशी में आयोजित विंटर टूरिज्म कॉनक्लेव कार्यक्रम और उसके बाद रामलीला मैदान उत्तरकाशी में आयोजित माघ मेला कार्यक्रम में पधारेंगे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नेहरू पर्वतारोहण संस्थान में आयोजित विंटर टूरीज्म कानक्लेव में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रदेश में पर्यटन को इकॉलोजी और इकोनॉमी का संतुलन बनाकर बढ़ावा दिया जाएगा। कहा कि प्रदेश सरकार ने पर्वतारोहण और ट्रेकिंग आदि के लिए अनुमति की प्रक्रिया को सरल बनाकर इसको सिंगल विंडो सिस्टम लागू किया है। पर्यटन तब बढ़ेगा जब ग्रामीण क्षेत्र तक लोग पहुंचेंगे और हर महिला युवा इससे जुड़ कर देश के सामने पहाड़ की समृद्ध संस्कृति और उत्पादों का एक बाजार उपलब्ध करवा पाएं।

बीजेपी सांसद रविशंकर प्रसाद के आधिकारिक आवास में आग लगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में मदर टेरेसा क्रिसेंट मार्ग पर स्थित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद रविशंकर प्रसाद के आधिकारिक आवास में बुधवार सुबह आग लग गई। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। यह तुरंत पता नहीं चल पाया कि घटना के समय पटना साहिब के सांसद घर पर थे या नहीं। डीएफएस के अधिकारी ने बताया कि प्रसाद के आवास पर आग लगने की सूचना सुबह करीब आठ बजकर पांच मिनट पर मिली। आग घर के एक कमरे में रखे फर्नीचर में लगी थी। उन्होंने बताया कि दमकल की तीन गाड़ियां तुरंत मौके पर भेजी गईं और सुबह आठ बजकर 35 मिनट पर आग पर काबू पा लिया गया। उन्होंने बताया कि इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ। आग लगने के कारण का पता लगाया जा रहा है। दिल्ली पुलिस की फॉरेंसिक टीम भी मौके पर मौजूद थी।

मकर संक्रांति पर स्नान करने गए चार किशोरों की डूबने से मौत, घर में पसरा मातम

प्रयागराज (एजेंसी)। जिले के पूरामुफ्ती थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले हुसैनपुर अहमदपुर पावन गांव में एक तालाब में डूबने से चार किशोरों की मृत्यु हो गई। एक पुलिस अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। डीसीपी (नगर) मनीष शांडिल्य ने बताया कि ये लड़के मंगलवार की शाम घर में बताए बगैर कहीं चले गए थे। रातभर इनके घर वालों ने इन्हें ढूंढा, लेकिन ये नहीं मिले और आज गांव के एक तालाब में इनके शव मिले। उन्होंने बताया कि मृतकों की शिनाख्त प्रिंस सोनकर (10), प्रतीक सोनकर (13), करन (19) और प्रियांशु (10) के रूप में हुई है।ऐसा प्रतीत होता है कि ये लड़के कल तालाब में नहाने चले गए थे जहां डूबने से इनकी मृत्यु हुई। इनके शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस हादसे का संज्ञान लेते हुए मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

दिल्ली को 81 नए आयुष्मान आरोग्य मंदिरों की सौगात, कुल संख्या बढ़कर 319 हुई

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था को और मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए बुधवार को राजधानी को 81 नए आयुष्मान आरोग्य मंदिर मिले। इसके साथ ही दिल्ली में संचालित आयुष्मान आरोग्य मंदिरों की कुल संख्या 319 हो गई है। दिल्ली सरकार ने भविष्य में 1100 से अधिक आयुष्मान आरोग्य मंदिर स्थापित करने का लक्ष्य तय किया है। अब तक दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में 238 आयुष्मान आरोग्य मंदिर संचालित हो रहे थे। नए केंद्रों के जुड़ने से प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच और अधिक इलाकों तक सुनिश्चित होगी, खासकर उन क्षेत्रों में जहां लोगों को छोटे इलाज के लिए भी बड़े अस्पतालों पर निर्भर रहना पड़ता था।मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के नांगल राया क्षेत्र में एक नए आयुष्मान आरोग्य मंदिर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि

सरकार का लक्ष्य हर नागरिक को उनके घर के पास गुणवत्तापूर्ण और मुफ्त प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना है। मुख्यमंत्री ने कहा, मकर संक्रांति के इस बड़े पर्व पर आज दिल्ली की जनता को 81 नए आयुष्मान आरोग्य मंदिर समर्पित किए जा रहे हैं। इससे पहले 238 आरोग्य मंदिर पहले ही शुरू किए जा चुके हैं। इन केंद्रों के माध्यम से हम लगातार दिल्ली में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ और सुविधाजनक बना रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि आयुष्मान आरोग्य मंदिर के वल इलाज के केंद्र नहीं हैं, बल्कि ये रोकथाम, जांच और स्वास्थ्य जागरूकता का भी अहम मंच बनते जा रहे हैं।दिल्ली सरकार ने स्पष्ट किया है कि आने वाले समय में राजधानी के हर वार्ड और घनी आबादी वाले क्षेत्रों में आयुष्मान आरोग्य मंदिर खोले जाएंगे। सरकार का मानना है कि मजबूत प्राथमिक स्वास्थ्य ढांचा बनाना, बड़े अस्पतालों पर बोझ कम करेगा, मरीजों का समय और पैसा बचाएगा, गंभीर बीमारियों की शुरूआती पहचान में मदद करेगा। इसी रणनीति के तहत आरोग्य मंदिरों का तेजी से विस्तार किया जा रहा है।

'हम पूर्व सैनिकों के सम्मान में सिर झुकाते हैं',

सशस्त्र सेना पूर्व सैनिक दिवस पर बोले रक्षा मंत्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को 10वें सशस्त्र सेना पूर्व सैनिक दिवस के अवसर पर राजधानी दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान राजनाथ सिंह ने पूर्व सैनिकों की तारीफ की और उन्हें देश का गर्व बताया। जानिए और क्या बोले राजनाथ सिंह आज देश 10वां सशस्त्र बल पूर्व सैनिक दिवस मना रहा है। इस मौके पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पूर्व सैनिकों को सम्मानित किया और जिन सैनिकों ने युद्ध के मैदान में अपने प्राण गंवाएं, उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान रक्षा मंत्री ने कहा कि देश अपने पूर्व सैनिकों के सम्मान में सिर झुकाता है। राजधानी दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में राजनाथ सिंह ने पूर्व सैनिकों को देश का गर्व बताया और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्त्रोत बताया। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर हम भारत समेत

विश्व भर में रहने वाले अपने पूर्व सैनिकों को आदरपूर्वक नमन करते हैं। हम शहादत प्राप्त उन सभी सैनिकों को भी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं जिन्होंने राष्ट्र निर्माण में योगदान दिया। आज मुझे इस विशाल परिवार के साथ में मकर संक्रांति मनाने का अवसर मिला है। रक्षामंत्री के रूप में देश की सेवा करने का मौका मिला राजनाथ सिंह ने पूर्व सैनिकों को संबोधित करते हुए कहा, 'आपके लिए यह सिर्फ एक पेशा नहीं है; बल्कि एक प्रतिज्ञा है जिसमें आप सभी ने राष्ट्र को अपने से ऊपर रखा है। मैं इसे शब्दों में बयां नहीं कर सकता हूं क्योंकि किसी भी समाज के लिए इससे बड़ा बलिदान कुछ और नहीं होगा। राजनाथ सिंह ने कहा कि रक्षा मंत्री के रूप में उन्हें देश सेवा करने का मौका मिला और यह मेरी सबसे संतोषजनक भूमिका रही है। उन्होंने सभी सैनिकों के समर्पण की प्रशंसा करते हुए कहा कि राष्ट्र निर्माण में सेवानिवृत्ति के बाद भी अपना योगदान देते रहते हैं। इसलिए रक्षा मंत्री के रूप में आपके साथ काम करना मेरे जीवन के सबसे सुखद पलों में से एक है। रक्षा मंत्री ने कहा कि मैंने मुख्यमंत्री, कृषि मंत्री एवं गृह मंत्री के रूप में भी कार्य किया है। लेकिन मुझे सबसे अधिक संतोष रक्षा मंत्री के रूप में सेवा करने से ही मिला है। इसमें सैनिकों के जीवन में आने वाली तमाम चुनौतियों का समाधान करने का सौभाग्य मिला है। राजनाथ सिंह ने कहा कि 'सैनिकों को हर परिस्थिति में हमेशा डट कर खड़े रहना सिखाया जाता है। सियाचिन हो या राजस्थान की भीषण गर्मी, सैनिक किसी प्रतिकूल परिस्थिति में भी पीछे नहीं हटता है। सैनिकों का यही अनुभव उनके चरित्र का निर्माण करते हैं। वास्तव में एक सैनिक कभी सेवानिवृत्त नहीं होता बल्कि वर्दी का रंग बदलने के बावजूद उसका मनोबल बना रहता है।

पंजाब: मुक्तसर साहिब में मेला माघी शुरू

सीएम मान ने चालीस मुक्तों को किया नमन

चंडीगढ़ (एजेंसी)। दशम पातशाह श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के चालीस मुक्तों की महान शहादत की साक्षी पवित्र धरती श्री मुक्तसर साहिब में मेला माघी पूरे श्रद्धा और उत्साह के साथ शुरू हो गया है। इस ऐतिहासिक अवसर पर देश-विदेश से बड़ी संख्या में संगतें श्री मुक्तसर साहिब पहुंच रही हैं और गुरु चरणों में शीश नवाकर महान शहीदों को नमन कर रही हैं। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान बुधवार को माघी मेले के उपलक्ष्य में श्री मुक्तसर साहिब पहुंचेंगे। वे सबसे पहले गुरुद्वारा श्री टूटी गंढी साहिब में माथा टेकेंगे और इसके बाद एक रैली में शामिल होकर पंजाब के लोगों को संबोधित करेंगे। जानकारी के अनुसार, सीएम मान इस मौके पर संगतों को माघी मेले और चालीस मुक्तों के बलिदान के महत्व से अवगत कराएंगे। इससे पहले मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर संदेश जारी कर खिदराना ढाब की ऐतिहासिक जंग में शहीद हुए चालीस मुक्तों को नमन किया। उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा, उन

40 मुक्तों की शहादत को करोड़ों नमन हैं, जिन्होंने धर्म और इंसाफ के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। सीएम मान ने माघी मेले के अवसर पर गुरुओं के चरणों में शीश नवाने पहुंची सभी संगतों के प्रति भी सम्मान प्रकट किया।मेला माघी के चलते श्री मुक्तसर साहिब में जबरदस्त श्रद्धा का माहौल बना हुआ है। लोहड़ी की रात से ही संगतों का पहुंचना शुरू हो गया था। सुबह से लेकर दोपहर बाद तक गुरुद्वारा श्री दरबार साहिब में मत्था टेकने और पवित्र सरोवर में स्नान करने का सिलसिला लगातार जारी है। कड़ाके की ठंड और शीतलहर के बावजूद संगतों की आस्था में कोई कमी नहीं दिख रही है।

'हिंदुत्व हमारी आत्मा, वोट के लिए कभी दिखावा नहीं किया'; निकाय चुनाव से पहले सीएम फडणवीस की दो टूक

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने बीएमसी चुनाव से पहले कहा कि हिंदुत्व हमारी आत्मा है और वोट के लिए कभी इसका प्रदर्शन नहीं किया। उन्होंने ओवैसी और शिवसेना (यूबीटी) पर भी निशाना साधा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने निकाय चुनाव के मतदान से पहले कहा कि उनकी पार्टी ने कभी वोट पाने के लिए हिंदुत्व का प्रदर्शन नहीं किया। फडणवीस ने हिंदुत्व को अपनी पार्टी की आत्मा बताते हुए कहा कि यह मराठी समाज में गहराई से जुड़ा हुआ है और उनकी पार्टी हर समुदाय की

परंपराओं और विश्वासों का सम्मान करती है। फडणवीस ने समाचार एजेंसी एएनआई से बातचीत में कहा हिंदुत्व हमारी आत्मा है। हमने कभी वोट पाने के लिए हिंदुत्व का प्रदर्शन नहीं किया। हमने केवल हिंदुत्व की पूजा की। क्या मराठी व्यक्ति हिंदुत्व में विश्वास नहीं करता? हम हर जाति के हिंदुत्व का उनके अपने रीति-रिवाजों के अनुसार सम्मान और पूजा करते हैं। असदुद्दीन ओवैसी पर भी साधा निशाना उन्होंने असदुद्दीन ओवैसी पर इशारों में निशाना साधा। ओवैसी ने हाल ही में यह कहा था कि अगर उनकी गठबंधन सरकार बनी, तो हिजाब पहनने वाली महिला मेयर बन सकती हैं।

'आचार संहिता के बावजूद महायुति को पैसे बांटने की खुली छूट'; संजय राउत ने चुनाव आयोग पर लगाए आरोप

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने महाराष्ट्र चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि आचार संहिता लागू होने के बावजूद महायुति दलों को घर-घर जाकर पैसे बांटने की छूट दी जा रही है। शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने बुधवार को महाराष्ट्र राज्य चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि आदर्श आचार संहिता लागू होने के बावजूद महायुति की पार्टियों भाजपा, शिवसेना (शिंदे गुट) और एनसीपी को घर-घर जाकर प्रचार

और पैसे बांटने की खुली छूट दी जा रही है। डोर-टू-डोर कैंपेन की अनुमति मुंबई में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में संजय राउत ने कहा कि नियमों के मुताबिक मंगलवार को चुनाव प्रचार समाप्त हो चुका था, लेकिन इसके बाद भी चुनाव आयोग ने डोर-टू-डोर कैंपेन की अनुमति दे दी, जो सवालों के घेरे में है। राउत ने कहा जब आचार संहिता लागू है और प्रचार खत्म हो चुका है, तब घर-घर जाकर प्रचार की इजाजत देना किस तरह का नियम है? यह सीधे तौर पर भाजपा, एकनाथ शिंदे और अजित पवार को पैसे बांटने का लाइसेंस देने जैसा है। संजय राउत ने मतदाता सूची से बड़े पैमाने पर नाम हटाने का भी आरोप लगाया।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे सहित वरिष्ठ नेताओं ने दी मकर संक्रांति की बधाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। मकर संक्रांति का पावन पर्व बुधवार को धूमधाम से मनाया जा रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे सहित कांग्रेस के नेताओं ने मकर संक्रांति की शुभकामनाएं दी हैं। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने देशवासियों को मकर संक्रांति की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्एक्सश पर लिखा, भगवान सूर्य के उत्तरायण होने एवं नई फसलों के स्वागत के महापर्व मकर संक्रांति और माघ बिहू की हार्दिक शुभकामनाएं। ये सभी पर्व हमारी विविधता और प्रकृति से गहरे प्रेम के प्रतीक हैं जो हमारी

सामाजिक व सांस्कृतिक परंपराओं को और समृद्ध बनाते हैं। ईश्वर से प्रार्थना करती हूं कि ये त्यौहार समस्त देशवासियों के जीवन में सुख, शांति एवं समृद्धि का संचार करें।श्कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, जैसे ही भारत अपनी जीवंत फसल परंपराओं का जश्न मनाने के लिए एक साथ आता है, उम्मीद है कि हवा कृतज्ञता, खुशी और एकजुटता से भर जाएगी। हम सभी को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं देते हैं। मकर संक्रांति, पोंगल, सुग्गी हब्बा, माघी, भोगली बिहू, खिचड़ी, पौष पर्व, उत्तरायण और मकरविलक्कू के त्योहार सभी के लिए असीम खुशी, अच्छे स्वास्थ्य और स्थायी समृद्धि लाएं।राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्एक्सश पर लिखा, मकर संक्रांति के पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं। यह शुभ अवसर आप सभी के जीवन में एक नई ऊर्जा, नई उमंग एवं नई शुरूआत लाए। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, आप समस्त प्रदेशवासियों को मकर संक्रांति की मंगलमय शुभकामनाएं।

बॉर्डर पार कर फिर भारत पहुंची बांग्लादेशी महिला, मुंबई एटीएस ने दबोचा

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई एटीएस ने एक 30 साल की बांग्लादेशी महिला को बिना वैलिड ट्रैवल डॉक्यूमेंट्स के मुंबई में अवैध रूप से रहते हुए पाए जाने के बाद गिरफ्तार कर लिया है। महिला की पहचान बिलकिस बेगम सिरमिया अख्तर के रूप में हुई है, जिसे एटीएस और कफ परेड पुलिस के अधिकारियों द्वारा की गई रेड के दौरान हिरासत में लिया गया था। पुलिस अधिकारी के अनुसार, एटीएस अधिकारी और उनकी टीम को खुफिया जानकारी मिली थी कि एक विदेशी नागरिक अवैध रूप से भारत में घुस आया है और कफ परेड इलाके में रह रहा है। इस सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने एक महिला को हिरासत में लिया। एक मुखबिर से उसकी पहचान कन्फर्म करने के बाद टीम ने उसे पकड़ लिया।पूछताछ के दौरान महिला ने शुरू में टालमटोल वाले जवाब दिए और बाद में पूछताछ करने पर उसने कबूल किया कि वह बांग्लादेशी नागरिक है और उसे पहले अगस्त 2025 में क्राइम ब्रांच द्वारा अवैध रूप से रहने के लिए डिपोर्ट किया गया था। उसने कबूल किया कि डिपोर्ट किए जाने के बावजूद वह बॉर्डर पार कर फिर से भारत में घुस आई थी और बिना किसी वैलिड इमिग्रेशन डॉक्यूमेंट्स के कफ परेड इलाके में एक किराए के कमरे में रह रही थी।

सचेंडी में गरजे अजय राय बोले- दूसरे पर चलता बुलडोजर दरोगा पर क्यों है शांत? दिखावा है 50 हजार का इनाम

कानपुर। सचेंडी में दुष्कर्म पीड़िता के घर पहुंचे अजय राय ने पुलिस पर आरोपी दरोगा को संरक्षण देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि विभाग की किरकिरी बचाने के लिए बुलडोजर शांत है। उन्होंने पीड़िता के लिए 50 लाख की मदद और आवास की मांग करते हुए आंदोलन की चेतावनी दी है। उत्तर प्रदेश सरकार और पुलिस दुष्कर्म के आरोपी दरोगा को बचा रही है। दरोगा के खिलाफ 50 हजार का इनाम दिखावे के लिए किया गया है। कोई और होता तो अब तक बुलडोजर चल चुका होता, लेकिन अपने विभाग की किरकिरी होगीइसलिए बुलडोजर शांत है। पीड़िता से मिलने नहीं दिया जा

रहासरकार क्या दिखाना चाह रही है। कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय बुधवार ने ये बातें कहीं। वे सचेंडी में दुष्कर्म पीड़िता से मुलाकात करने आए थे। उन्होंने पीड़ित परिवार को हर संभव मदद दिलाने का आश्वासन दिया। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय सरकार और पुलिस को घेरते हुए कहा कि सरकार को यह पता था कि आज मैं बेटी से मिलने आ रहा हूं। पीड़िता घटना की सही जानकारी ना दे सके इसलिए मेरे पहुंचने से पहले पुलिस पीड़िता और उसके भाई को घर से बयान कराने के बहाने यहां से ले गई। प्रदेश अध्यक्ष ने पीड़िता के पिता से बातचीत की और घटना की जानकारी ली। इस दौरान पीड़िता के पिता ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाते हुए बताया कि पुलिस आरोपी दरोगा अमित मौर्य को बचाने में जुटी है। पीड़ित परिवार झोपड़ी बनाकर रहने को मजबूर लगातार उनको धमकियां मिल रही है। बावजूद इसके उसकी अभी तक गिरफ्तारी नहीं हो पाई। इस पर प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि आरोपी अगर कोई और होता तो अब तक बुलडोजर चल चुका होता। क्योंकि आरोपी विभाग का व्यक्ति है और पुलिस की छवि धूमिल हो रही है। इसलिए बुलडोजर अभी तक नहीं चला और ना आरोपी की गिरफ्तारी हो पाई। सरकार तत्काल आरोपी दरोगा की गिरफ्तारी कर पीड़िता के परिजनों को 50 लाख रुपये सरकारी आवास दिलाए। पीड़ित परिवार झोपड़ी बनाकर रहने को मजबूर है। कांग्रेस पार्टी पीड़िता की हर संभव मदद करेगी इस गांव में ना लाइट हैना शौचालय है और ना सड़क बनी हुई है। मोदी जी हर घर शौचालय देने की बात करते आवास देने की बात करते, लेकिन इस गांव की हकीकत देखकर लगता है कि मोदी की बात सिर्फ मन की बातें हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी पीड़िता की हर संभव मदद करेगी। वीरता की लड़ाई अंत तक लड़ेगी पीड़िता को अगर आर्थिक मदद की जरूरत होगी तो कांग्रेस पार्टी वह भी करेगी। सरकार से उनकी मांग है कि वह पीड़िता को जल्द से जल्द न्याय दिलाएं और आरोपी दरोगा की गिरफ्तारी अगर जल्द दरोगा गिरफ्तार नहीं हुआ तो कांग्रेस पार्टी पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए सड़कों पर उतरेगी।

22वीं सीनियर एशियाई हैंडबॉल (पुरुष) चैम्पियनशिप में चयनित पूर्वोत्तर रेलवे के हैंडबॉल खिलाड़ी श्री रविंद्र पाल सिंह

गोरखपुर,: पूर्वोत्तर रेलवे क्रीड़ा संघ (नरसा) द्वारा खिलाड़ियों को उपलब्ध कराये जा रहे अत्याधुनिक संसाधनों एवं प्रशिक्षणों के फलस्वरूप पूर्वोत्तर रेलवे के खिलाड़ियों का राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्धियों का क्रम निरन्तर जारी है। इसी क्रम में, कुवैत में 15 से 29 जनवरी, 2026 तक आयोजित होने वाली 22वीं सीनियर एशियाई हैंडबॉल (पुरुष) चैम्पियनशिप में भारतीय हैंडबॉल टीम (पुरुष) प्रतिभाग कर रही है, जिसमें पूर्वोत्तर रेलवे के हैंडबॉल खिलाड़ी श्री रविंद्र पाल सिंह का चयन हुआ है। 22वीं सीनियर एशियाई हैंडबॉल (पुरुष) चैम्पियनशिप में पूर्वोत्तर रेलवे के हैंडबॉल खिलाड़ी श्री रविंद्र पाल सिंह के चयनित होने पर महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे एवं सरंक्षक/नरसा श्री उदय बोरवणकर, अपर महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे श्री विनोद कुमार शुक्ल, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण एवं अध्यक्ष/नरसा श्री अभय कुमार गुप्ता, मुख्य वाणिज्य प्रबन्धक/पी.एम. एवं उपाध्यक्ष/नरसा श्री विजय कुमार, मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी एवं महासचिव/नरसा श्री पंकज कुमार सिंह, हैंडबॉल/सचिव श्री कृष्ण चन्द्र सिंह, सहायक क्रीड़ाधिकारी श्री चन्द्र विजय सिंह तथा नरसा पदाधिकारियों ने बधाई दी है।

यह गाड़ी अपने पूर्व समयानुसार चलाई जायेगी

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा अपरिहार्य कारणों से पूर्व में निरस्त की गई निम्नलिखित गाड़ियों का संचलन बहाल कर दिया गया है।

संचलन बहाल-

-55098 गोरखपुर कैंट-नरकटियागंज सवारी गाड़ी का संचलन 14 जनवरी, 2026 से बहाल कर दिया गया है। यह गाड़ी अपने पूर्व समयानुसार चलाई जायेगी।

-55097 नरकटियागंज-गोरखपुर कैंट सवारी गाड़ी का संचलन 15 जनवरी, 2026 से बहाल कर दिया गया है। यह गाड़ी अपने पूर्व समयानुसार चलाई जायेगी।

कटिहार एक्सप्रेस अमृतसर से 90 मिनट रि-शिड्यूल कर एवं मार्ग में 40 मिनट नियंत्रित कर चलाई जायेगी

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा उत्तर रेलवे के अमृतसर-जलंधर सिटी खंड पर जलंधर सिटी यार्ड के फिरोजपुर कैंट लाइन पर पुल संख्या 28 पर इंजीनियरिंग कार्य के परिप्रेक्ष्य में यातायात एवं पावर ब्लॉक दिये जाने के कारण गाड़ियों का रि-शिड्यूलिंग/नियंत्रण निम्नवत किया जायेगा।

रि-शिड्यूलिंग/नियंत्रण-

-अमृतसर से 29 जनवरी, 2026 को चलने वाली 15708 अमृतसर-कटिहार एक्सप्रेस अमृतसर से 60 मिनट रि-शिड्यूल कर एवं मार्ग में 30 मिनट नियंत्रित कर चलाई जायेगी।

-कटिहार से 29 जनवरी, 2026 को चलने वाली 15707 कटिहार-अमृतसर एक्सप्रेस फिरोजपुर मंडल में 45 मिनट नियंत्रित कर चलाई जायेगी।

-अमृतसर से 31 जनवरी, 2026 को चलने वाली 15708 अमृतसर-कटिहार एक्सप्रेस अमृतसर से 90 मिनट रि-शिड्यूल कर एवं मार्ग में 40 मिनट नियंत्रित कर चलाई जायेगी।

मुंबई में ट्रक से टकराई कार बस्ती के युवक की मौत

कप्तानगंज(बस्ती)। मुंबई से नासिक जा रहे श्रद्धालुओं की कार सोमवार की देर रात ट्रक से टकरा गई। हादसे में बस्ती के युवक की मौत हो गई। युवक की मौत की सूचना मिलते ही परिजनों कोहराम मच गया। दुर्घटना में दो अन्य युवकों की भी मौत हुई है। परसरामपुर थाना क्षेत्र के रानीपुर (माचा) गांव निवासी रविंद्र प्रताप श्रीवास्तव कई सालों से गोंडा जिले के नबावगंज थाना क्षेत्र के कोल्हमपुर में परिवार के साथ रहते हैं। इनका इकलौता बेटा रत्नेश कुमार श्रीवास्तव तीन साल से मुंबई के एक प्राइवेट कंपनी में नौकरी था। सोमवार की रात करीब 9 बजे उसने माता-पिता को फोन कर बताया कि कमरे पर पहुंच गया हूं। आधी रात को वह कंपनी के दोस्तों से के साथ देव दर्शन के लिए नासिक के आगे कार से जा रहा था। कार में तीन लोग सवार थे। रात करीब 2:30 बजे कार के आगे चल रही ट्रक के चालक ने अचानक ब्रेक लगा दिया। इससे कार अनियंत्रित होकर पीछे से ट्रक में टकराई गई थी।

मूल्यांकन में अटका प्रोत्साहन पुरस्कार के लिए इंतजार

बस्ती। विकास कार्यों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली जिले की पांच ग्राम पंचायतों को पुरस्कृत किया जाएगा। इसके लिए मुख्यमंत्री पंचायत पुरस्कार योजना में प्रधानों की ओर से आवेदन किया गया है। मगर, जांच के फेर में फाइलें लटकी हुई हैं। ऐसे में उत्कृष्ट पंचायतों को पुरस्कार मिलने में देरी हो रही है। हर साल मुख्यमंत्री पंचायत पुरस्कार योजना के तहत पंचायतों में कराए गए विकास कार्यों के निर्धारित बिंदुओं के आधार पर पुरस्कार के लिए ।

मेला यात्रियों से अनुरोध है कि वे अपनी सुरक्षा एवं संरक्षा हेतु रेल प्रशासन का सहयोग करें

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा मकर संक्रान्ति (खिचड़ी) पर्व के अवसर पर पूर्वोत्तर रेलवे के मुख्यालय,

गोरखपुर स्थित गोरखनाथ मंदिर में लगने वाले खिचड़ी मेला के दौरान श्रद्धालु यात्रियों को सुविधाजनक, सुरक्षित एवं संरक्षित यात्रा उपलब्ध कराने के लिये तैयारियाँ पूर्ण कर ली गई हैं। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश एवं बिहार के विभिन्न जनपदों के अतिरिक्त पड़ोसी देश नेपाल से भारी संख्या में श्रद्धालु यात्रियों का गोरखपुर आगमन होता है। मेला अवधि में यात्रियों की सुविधा हेतु 05016/05015 गोरखपुर-नौतनवा-गोरखपुर अनारक्षित मेला विशेष गाड़ी का संचलन 10 फेरों के लिये किया जा रहा है। साथ ही 17 एक्सप्रेस ट्रेनों का अस्थाई ठहराव नकहा जंगल स्टेशन पर प्रदान किया गया है। मेला अवधि में गोरखपुर जं. स्टेशन पर स्टेशन के

बाहरी परिसर में यात्रियों के सुगम आवागमन हेतु बैरिकेडिंग की गई है। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुये डॉग स्क्वाड द्वारा स्टेशन परिसर में समय-समय पर चेकिंग की जा रही है। यात्रियों की सुविधा के लिये गोरखपुर जं. एवं नकहा जंगल स्टेशनों पर चिकित्सा सहायता बूथ खोला गया है। मेला अवधि में यात्रियों की सुविधा हेतु नकहा जंगल स्टेशन पर एक यात्री होल्डिंग एरिया बनाया गया है साथ ही पर्याप्त संख्या में मोबाइल प्रसाधन की उपलब्धता सुनिश्चित कराई गई है। राजकीय रेलवे पुलिस (जी.आर.पी.) एवं रेलवे सुरक्षा बल (आर.पी.एफ.) के जवानों तथा वाणिज्य विभाग के रेल कर्मियों को गोरखपुर जं. एवं नकहा जंगल स्टेशन पर तैनात किया गया है ताकि मेला में आने वाले रेल यात्रियों को बेहतर सुविधा प्राप्त हो। नकहा जंगल स्टेशन पर महिला कॉन्सटेबल की भी ड्यूटी लगाई गई है। स्टेशनों पर साफ-सफाई के व्यापक प्रबन्ध किये गये हैं। स्टेशन पर 24 घंटे सहायता बूथ संचालित है। प्रकाश की उत्तम व्यवस्था, उन्नत साइनेज, पीने के पानी, एप्रोच रोड में सुधार तथा इसके दोनों ओर प्रकाश की उत्तम व्यवस्था के अतिरिक्त टिकट काउंटर खोला गया है। जनसूचना प्रणाली के माध्यम से निरन्तर यात्रियों को बिना टिकट यात्रा न करने, ट्रेन की छत एवं पायदान पर यात्रा न करने, ज्वलनशील/विस्फोटक/हानिकारक सामग्री लेकर न चलने, स्टेशन परिसर में गंदगी न करने, अनाधिकृत व्यक्तियों से खानपान सामग्री क्रय न करने तथा दलालों के माध्यम से टिकट की खरीद न करने की अपील की जा रही है। सुरक्षा को लेकर विशेष निगरानी बरती जा रही है। मेला यात्रियों से अनुरोध है कि वे अपनी सुरक्षा एवं संरक्षा हेतु रेल प्रशासन का सहयोग करें।

अवैध सामानों की धर-पकड़, यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने के साथ ही बचपन बचाओ अभियान के तहत मानव तस्करी की रोकथाम का निरंतर प्रयास किया जाता है

गोरखपुर,: रेलवे सुरक्षा बल, पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा, रेल सम्पत्ति की सुरक्षा, अवैध सामानों की धर-पकड़, यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने के साथ ही बचपन बचाओ अभियान के तहत मानव तस्करी की रोकथाम का निरंतर प्रयास किया जाता है। इसी क्रम में 12 जनवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट सीवान, इंजीनियरिंग विभाग व राजकीय रेलवे पुलिस द्वारा संयुक्त निगरानी के दौरान पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार रेलवे स्टेशन मैरवा की भूमि में स्थित 27 अद्द अस्थायी दुकानों के अवैध अतिक्रमण को शांतिपूर्ण तरीके से हटाया गया। मानवीय सहायता के अन्तर्गत 13 जनवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट कप्तानगंज को निगरानी के दौरान रेलवे स्टेशन खड्डा के प्लेटफार्म सं0 1 पर मानसिक रूप से विक्षिप्त एक व्यक्ति मिला, जिसे कप्तानगंज पोस्ट पर लाया गया तथा विक्षिप्त व्यक्ति के परिजन के पोस्ट पर उपस्थित होने पर सुपुर्द किया गया। 13 जनवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल चौकी लखनऊ सिटी को निगरानी के दौरान स्टेशन के प्लेटफार्म सं0 1 पर 14 वर्ष का एक लड़का लावारिस हालत में मिला। पूछताछ के उपरान्त उक्त लड़के को चाइल्ड लाइन लखनऊ जं. को सुपुर्द किया गया। 13 जनवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट गोरखपुर को निगरानी के दौरान स्टेशन के प्लेटफार्म सं0 7/8 पर 16 वर्ष का एक लड़का लावारिस हालत में मिला, जिसे पूछताछ के उपरान्त चाइल्ड लाइन, गोरखपुर को सुपुर्द किया गया। 13 जनवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट गोमतीनगर को निगरानी के दौरान स्टेशन के प्लेटफार्म सं0 1 पर यात्री का छूटा एक मोबाइल मिला, जिसे गोमतीनगर पोस्ट पर जमा किया गया। यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर पर उचित पहचान व सत्यापन के उपरान्त मोबाइल सुपुर्द किया गया। 12 जनवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट छपरा को निगरानी के दौरान गाड़ी सं0 13020 में यात्री का छूटा एक बैग मिला, जिसे छपरा पोस्ट पर जमा कराया गया। 13 जनवरी, 2026 को यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर उचित पहचान व सत्यापन के उपरान्त बैग सुपुर्द किया गया। 13 जनवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट छपरा को निगरानी के दौरान गाड़ी सं0 15047 में यात्री का छूटा एक मोबाइल मिला, जिसे छपरा पोस्ट पर जमा कराया गया। यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर उचित पहचान व सत्यापन के उपरान्त मोबाइल सुपुर्द किया गया।

दुष्कर्म पीड़िता के परिवार से अजय राय की मुलाकात

कानपुर। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने जाजमऊ में दुष्कर्म पीड़िता के परिवार से मुलाकात की और पुलिस पर आरोपी दरोगा को भगाने का आरोप लगाया। उन्होंने सरकार को घेरते हुए कहा कि रक्षक ही भक्षक बन चुके हैं और कांग्रेस इस लड़ाई को सड़क तक लड़ेगी। कानपुर के जाजमऊ थाना क्षेत्र में 14 वर्षीय किशोरी के साथ दुष्कर्म का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। बुधवार को कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय कार्यकताओं के साथ पीड़िता के परिजनों से मिलने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था और पुलिस विभाग पर गंभीर आरोप लगाते हुए सरकार पर निशाना साधा। अजय राय ने कहा कि यह अत्यंत शर्मनाक है कि जिन कंधों पर सुरक्षा की जिम्मेदारी है, वही भक्षक बन गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि आरोपी दरोगा को पुलिस विभाग के लोगों ने ही संरक्षण देकर फरार कराया है। कहा कि दरोगा पर इनाम घोषित करना महज एक दिखावा है। असल में पुलिस अपने ही विभाग के अपराधी को बचा रही है। पीड़ित परिवार को दी सांत्वना अजय राय ने आगे कहा कि योगी सरकार में कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है और बेटियां सुरक्षित नहीं हैं। उन्होंने पीड़ित परिवार को सांत्वना देते हुए आश्वासन दिया कि पूरी कांग्रेस पार्टी उनके साथ मजबूती से खड़ी है।

उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच और आरोपी दरोगा की तत्काल गिरफ्तारी के साथ-साथ उसे सख्त से सख्त सजा दिलाने की मांग की।

चीनी मांझे की चपेट में आया डॉक्टर गर्दन कटने से हुई मौत

जौनपुर। जौनपुर में दर्दनाक हादसा हुआ। बाइक से जा रहे एक युवक की चीनी मांझे से गर्दन कट गई, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। जौनपुर जिले में बुधवार को चीनी मांझे की चपेट में आकर एक युवक की मौत हो गई। घटना से मौके पर अफरातफरी मच गई। घटना पंचहटिया स्थित प्रसाद इंटरनेशनल स्कूल के पास हुई। मृतक की पहचान डॉक्टर समीर हासिमी (28) के रूप में हुई है। गर्दन कटने से काफी खून बह रहा था, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। पुलिस ने घटना को बताया दुर्भाग्यपूर्ण घटनास्थल पर पहुंचे सीओ सिटी गोल्डी गुप्ता ने घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने बताया कि डॉक्टर समीर बाइक से अपने घर जा रहे थे। इसी दौरान संभवतः चीनी मांझे से गर्दन कटने से उनकी मौत हो गई। परिजनों को सूचना दे दी गई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस ने की ये अपील अधिकारी ने कहा कि चीनी मांझा प्रतिबंधित है। इसे लेकर जिले में लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसके बावजूद लोग ऑनलाइन चीनी मांझा मंगाकर इसका उपयोग कर रहे हैं। ऐसे में उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि मकर संक्रांति पर थोड़ी सी खुशी के लिए पतंग लूटने या काटने के लालच में चीनी मांझे का उपयोग न करें। त्योहार मनाएं, लेकिन ध्यान रखें कि किसी तरह की जनहानि न हो।

संक्षिप्त खबरें

चार सफाईकर्मियों का बीडीओ ने वेतन रोका

सल्टौआ। ब्लॉक मुख्यालय पर बैठक में भाग न लेने पर बीडीओ ने चार सफाईकर्मियों का वेतन रोकने के निर्देश दिए हैं। बीडीओ अनिल यादव ने बताया कि मंगलवार को सल्टौआ स्थित ब्लॉक मुख्यालय पर सोलर से संबंधित सभी सफाईकर्मियों की बैठक बुलाई गई थी। इसमें सफाईकर्मी गोविंद शुक्ल, इंद्रजीत, सुनीता व गुरु प्रसाद अनुपस्थित पाए गए। लापरवाही व उदासीनता के आरोप में चारों सफाईकर्मियों का वेतन रोकने के निर्देश दिए गए हैं।

दो दुकानों के लाइसेंस निलंबित

बस्ती। जिला कृषि विभाग की टीम ने कीटनाशक दवाओं की दुकानों पर मंगलवार को छापा मारा। इस दौरान कुल 25 दुकानों की जांच की गई। इस दौरान अनियमितता मिलने पर दो दुकानों का लाइसेंस निलंबित कर दिया गया और दुकान बंद कर भागने वाले पांच दुकानों को कारण बताओ नोटिस जारी की गई। डीएम के निर्देश पर कीटनाशी दुकानों के औचक निरीक्षण के लिए तीन टीम का गठन किया गया है। जिला कृषि रक्षा अधिकारी रतन शंकर ओझा ने बताया कि इन टीमों ने कुल 25 कीटनाशक के प्रतिष्ठानों पर छापा मारा। इस दौरान संदिग्ध 17 रसायनों के नमूने संग्रहित किए गए। जिन्हें जांच के लिए राजकीय प्रयोगशाला विश्लेषण में भेजा जाएगा। निरीक्षण के दौरान मेसर्स कृष्णा बीज भंडार का स्टॉक रजिस्टर अपूर्ण और कैश मेमो पर की लाइसेंस नंबर अंकित नहीं पाया गया। मेसर्स सागर बीज भंडार रुधौली के प्रतिष्ठान के यहां कीटनाशी रसायनों का रेट लिस्ट और स्टॉक पंजिका उपलब्ध नहीं मिली। जिला कृषि रक्षा अधिकारी ने इन दुकानों का लाइसेंस निलंबित कर दिया। जबकि चौधरी बीज भंडार भानपुर रोड रुधौली, मौर्या बीज भंडार पंडूल घाट रोड कंप्तानगंज, ओझा खाद एवं बीज भंडार पंडूल घाट रोड कंप्तानगंज, फटीलाईजर एवं बीज भंडार विशेषरगंज एवं समग्र ग्रामीण कृषि सेवा केंद्र विशेषरगंज को छापे की सूचना पर दुकान बंद कर भागने के आरोप में कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

एडीओ समाज कल्याण और पंचायत को नोटिस

सल्टौआ। समीक्षा बैठक में भाग न लेने पर बीडीओ अनिल यादव ने सहायक विकास अधिकारी पंचायत व सहायक विकास अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। बीडीओ ने बताया कि मंगलवार को सल्टौआ स्थित ब्लॉक मुख्यालय पर समीक्षा बैठक आयोजित की गई थी। इसमें सहायक विकास अधिकारी पंचायत वीरेंद्र तिवारी व सहायक विकास अधिकारी समाज कल्याण रोहित चौधरी शामिल नहीं हुए। लिहाजा दोनों को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा गया। समय भीतर स्पष्टीकरण नहीं देने पर कार्रवाई की जाएगी।

एआई की मदद से अपराधियों का ब्योरा तैयार करेगी पुलिस

बस्ती। एआई आधारित यक्ष एप चलाने में पारंगत करने के लिए मंगलवार को पुलिस लाइंस सभागार में पुलिस अधिकारियों और कर्मियों को प्रशिक्षण दिया गया। एसपी अभिनंदन ने इस एप की खूबियां बताते हुए कहा कि एप चालने में पारंगत पुलिसकर्मी बड़ी वारदातों को जल्द खुलासा कर सकेंगे। उन्होंने एप में रियल टाइम डेटा एंट्री व अलर्ट सिस्टम का उपयोग करने के निर्देश दिए। एसपी ने बताया कि दक्ष एप अपराध नियंत्रण, बीट पुलिसिंग को मजबूत करने एवं तकनीकी आधारित स्मार्ट पुलिसिंग को बढ़ावा देने के लिए विकसित एक अत्याधुनिक एआई आधारित डिजिटल प्लेटफॉर्म है। इस एप के माध्यम से अपराधियों का थानावार डेटाबेस, फोटो, वॉयस सैंपल, गैंग लिंक एनालिसिस, मूवमेंट अलर्ट, एआई आधारित संदिग्ध पहचान, वॉयस सर्च एवं रियल-टाइम निगरानी जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। इससे अपराध रोकथाम, जांच एवं त्वरित कार्रवाई में अभूतपूर्व सहायता मिल रही है।

कोर्ट के आदेश पर दुष्कर्म की प्राथमिकी दर्ज

बस्ती। कोर्ट के आदेश पर छावनी पुलिस ने दुष्कर्म की प्राथमिकी दर्ज की है। थानाक्षेत्र की रहने वाली महिला ने शिकायती पत्र में बताया है कि 11 जुलाई 2025 को उनके भतीजे का जन्मदिन था। कार्यक्रम संपन्न होने के बाद शाम करीब सात बजे अकेले घर लौट रही थीं। आरोप है कि घर से करीब सौ मीटर पहले गांव का रहने वाला आरोपी राजन चौहान उसे अकेला देखकर जबरदस्ती करने लगा और मुंह दबाकर सड़क के पूरब तरफ ले जाकर जबरन दुष्कर्म किया। विरोध करने पर मारापीटा। थानाध्यक्ष ने बताया कि कोर्ट के आदेश पर आरोपी राजन चौहान के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर लिया गया है।

लेनदेन के विवाद में मारपीट तीन गिरफ्तार

सल्टौआ। सोनहा थाना क्षेत्र के छपिया गांव में जमीन खरीदने पर रुपये की लेनदेन को लेकर मंगलवार को दो पक्षों में मारपीट हो गई। इस मामले में पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। थानाध्यक्ष महेश सिंह ने बताया छपिया कस्बे में नरखोरिया गांव के रामनिवास मौर्य, भिवापार निवासी वीरेंद्र पांडेय व ज्ञानदास मौर्य जमीन बेचने व खरीदने में रुपये की लेन देन को लेकर मारपीट कर रहे थे। तीनों को शांतिभंग की आशंका में गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां से तीनों जेल भेज दिए गए।

सड़क हादसे में मौत मामले में प्राथमिकी दर्ज

बस्ती। हरैया पुलिस ने सड़क हादसे में युवक की मौत मामले में मंगलवार को प्राथमिकी दर्ज कर ली है। थानाक्षेत्र के खम्हरिया सुजात निवासी विशाल सिंह ने थाने में तहरीर देकर बताया कि उनका भाई 10 जनवरी की शाम करीब छह बजे बाइक से बाजार गया था, मगर वापस नहीं लौटा। खोजबीन के दौरान सोशल मीडिया पर एक सूचना वायरल हुई कि बिहरा मोड़ के पास एक दुर्घटना में बाइक सवार युवक की मौत हो गई है। उन्होंने थाने पर पहुंच कर बताया कि यह बाइक उनके भाई विशाल सिंह कीहै। पुलिस ने अज्ञात वाहन के चालक पर प्राथमिकी दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

धर्मांतरण मामले में डीएम-एसपी को सौंपा गया ज्ञापन

बस्ती। हियुवा नेता विनय सिंह ने मंगलवार को डीएम और एसपी को धर्मांतरण मामले में ज्ञापन सौंपा है। उन्होंने कहा कि लखनऊ के केजीएमयू में धर्मांतरण के मामले का खुलासा होने के बाद बस्ती मेडिकल कॉलेज का नाम सामने आया है। आशंका है कि धर्मांतरण के संगठित खेल में कुछ संदिग्ध लोग यहां भी सक्रिय है। आरोप लगाया कि यहां मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहे कुछ छात्र-छात्राओं को स्थानीय मौलवियों के साथ मदरसे में नमाज पढ़ने के लिए ले जाया जाता है। छात्रावास के कुछ कमरों में बाहरी मौलवियों को बुलाकर छात्र-छात्राओं को इस्लाम धर्म स्वीकार करने के लिए प्रेरित किया जाता है। उन्होंने पुलिस और जिला प्रशासन से मांग की है कि पूरे प्रकरण की गंभीरता से जांच कराई जाए।

दिसंबर में बिजली की मांग 6.8 प्रतिशत बढ़ी, तीसरी तिमाही में हालात और सुधरने के संकेत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिसंबर 2025 में बिजली की मांग में 6.8% की बढ़ोतरी से वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही की कमजोरी कुछ हद तक कम हुई। हालांकि, बेमौसम बारिश और कम तापमान के कारण पूरी तिमाही में मांग थोड़ी घटी, लेकिन पीक डिमांड मजबूत बनी रही। ब्रोकरेज फर्म नुवामा की एक रिपोर्ट के मुताबिक, दिसंबर 2025 में बिजली की मांग में सुधार देखने को मिला, जिससे वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही की आई समग्र कमजोरी कुछ हद तक कम हुई। हालांकि, तिमाही के अधिकांश हिस्से में बेमौसम बारिश और अपेक्षाकृत कम तापमान के कारण बिजली मांग पर दबाव बना रहा। बिजली की मांग वार्षिक आधार पर 6.8 प्रतिशत बढ़ी रिपोर्ट में कहा गया है कि दिसंबर 2025 में बिजली की मांग साल-दर-साल आधार पर 6.8 प्रतिशत बढ़ी, जो तिमाही की कमजोर शुरुआत के बाद स्थिर सुधार को संकेत है।

वन निगम के खाते से 64.82 करोड़ की हेराफेरी

डायरेक्टर बोले, बैंक ने फर्जी एफडी और खाता खोलकर पैसा ट्रांसफर कराया

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश वन निगम के 64.82 करोड़ रुपए का फर्जी तरीके से ट्रांसफर किए जाने का मामला सामने आया है। वन निगम ने बैंक ऑफ इंडिया की सदर शाखा, लखनऊ पर वित्तीय धोखाधड़ी का आरोप लगाया है। आरोप है कि बैंक ने फर्जी सावधि जमा (एफडी) रसीद जारी कर निगम को गुमराह किया। निगम के नाम से फर्जी खाता खोलकर करोड़ों रुपए उसमें स्थानांतरित कर दिए। मामले में पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ ध्प् दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वन निगम के अनुसार, बैंक ऑफ महाराष्ट्र में निवेश की गई 64 करोड़ 82 लाख 21 हजार 365 रुपए 29 दिसंबर 2025 को परिपक्व हुई थी। इस धनराशि को दोबारा निवेश करने के लिए निगम ने ई-मेल के माध्यम से विभिन्न बैंकों से प्रस्ताव मांगे। 30 दिसंबर 2025 को निविदाएं खोली गईं, जिसमें बैंक ऑफ इंडिया, सदर शाखा लखनऊ द्वारा 6.73 प्रतिशत (कालेबल) ब्याज दर का प्रस्ताव सबसे अधिक पाया गया। 31 दिसंबर 2025 को वन निगम ने एचडीएफसी बैंक, गोमती नगर शाखा को निर्देश दिया कि वह पूरी राशि बैंक ऑफ इंडिया के इंटरमीडियरी (पार्किंग) अकाउंट में ट्रांसफर करें। वन निगम का आरोप है कि निर्धारित समय तक राशि बैंक ऑफ इंडिया के खाते में नहीं पहुंचने का हवाला देते हुए बैंक ने पहले स्वीकृत ब्याज दर पर एफडी बनाने से मना कर दिया। बैंक ने यह भी कहा कि 1 जनवरी 2026 से नई ब्याज दरें लागू हो चुकी हैं। कुछ समय बाद बैंक ऑफ इंडिया की ओर से निगम को बताया गया कि केवल 6.82 करोड़ की एफडी बनाई गई है, जबकि वास्तविक ट्रांसफर की गई राशि 64.82 करोड़ थी। इतना ही नहीं, बैंक ने वन निगम के नाम से एक बचत खाता खोले जाने की भी जानकारी दी। निगम का कहना है कि इस खाते को खोलने की न तो कोई अनुमति दी गई थी और न ही संबंधित व्यक्ति वन निगम का अधिकृत कर्मचारी है। जब वन निगम ने बैंक से सावधि जमा रसीद की लिखित पुष्टि मांगी, तो बैंक की ओर से कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया गया। इसके बाद पूरे लेन-देन पर संदेह गहराता गया और निगम ने इसे सुनियोजित धोखाधड़ी करार दिया। वन निगम के प्रबंध निदेशक अरविंद कुमार सिंह ने पूरे मामले की शिकायत गाजीपुर थाने में दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज कर ली गई है।

निर्माण श्रमिकों के हित में योगी सरकार की पहल

लखनऊ (संवाददाता)। योगी सरकार द्वारा निर्माण श्रमिकों के सामाजिक सुरक्षा कवच को मजबूत करने तथा कल्याणकारी योजनाओं का प्रत्यक्ष लाभ उपलब्ध कराने के निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड की ओर से पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के कल्याण हेतु संचालित विभिन्न योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं श्रमिकों के पंजीयन,नवीनीकरण के उद्देश्य से बुधवार को लेबर अड्डामोहनलालगंज, लेबर अड्डा बुद्धेश्वर तथा लेबर अड्डा बाराबिरवा, आशियाना, लखनऊ में जागरूकता अभियान एवं पंजीयन शिविर का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशन में श्रमिकों के जीवन स्तर में सुधार, उनके बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य सुरक्षा तथा सामाजिक सम्मान सुनिश्चित करना राज्य सरकार की प्राथमिकता है और इन्हीं प्रयासों के अंतर्गत ऐसे शिविर नियमित रूप से आयोजित किए जा रहे हैं। इस जागरूकता अभियान के माध्यम से बड़ी संख्या में श्रमिकों ने योजनाओं के प्रति रुचि दिखाई और पंजीयन प्रक्रिया का लाभ उठाया। शिविर के माध्यम से निर्माण श्रमिकों को कन्या विवाह सहायता योजना, मातृत्व, शिशु एवं बालिका मदद योजना, संत रविदास शिक्षा प्रोत्साहन योजना, निर्माण कामगार मृत्यु एवं दिव्यांगता सहायता योजना, गंभीर बीमारी सहायता योजना तथा अटल आवासीय विद्यालय योजना सहित बोर्ड द्वारा संचालित प्रमुख कल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

मुआवजा घोटाले में फंसे अफसरों के साथ बीबी, बच्चों की खंगाली जा रही संपत्ति

लखनऊ (संवाददाता)। नोएडा अथॉरिटी में 117 करोड़ से अधिक के मुआवजा घोटाले में फंसे अफसरों की संपत्तियों की जांचएसआईटी ने शुरू की। एसआईटी ने विकास प्राधिकरणों व जिलों के अधिकारियों से अफसरों, उनके परिजनों की संपत्तियों का विवरण तलब किया है एसआईटी सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर घोटाले की जांच कर रही है।

दायरे में दो आईएएस अफसरों सहित 12 बड़े अधिकारी, उनके पत्नी, बेटे-बेटियां और करीबी रिश्तेदार हैं। अब तक मुआवजा वितरण में घोटाले तक सीमित रही जांच को एसआईटी ने और व्यापक कर दिया है ।डीजी कारागार प्रशासन की अध्यक्षता में गठित एसआईटी ने साफ किया है किसवाल सिर्फ गलत मुआवजे का नहीं बल्कि आय से अधिक संपत्ति का है ।एसआईटी के एसपी संजीव कुमार बाजपेई ने 2 जनवरी को प्रदेश के विकास प्राधिकरणों, जिलों के अधिकारियों को पत्र भेजकर निर्देश दिया है कि 1 जनवरी 2015 से 31 दिसंबर 2017 के बीच खरीदी गई आवासीय, व्यावसायिक संपत्तियों, भूखंडों, फ्लैट, दुकानों समेत हर तरह के दस्तावेज उपलब्ध कराए। नोएडा अथारिटी में किसानों को मुआवजा देने के नाम पर घोटाला हुआ था। किसानों के नाम पर मुआबजे की रकम कई गुना ज्यादा निकाली गयी थी ।एलडीए में हड़कंप है। फाइलें खंगाली जा रही हैं, पुराने रिकॉर्ड निकाले जा रहे हैं क्योंकि घोटाले के आरोपी कुछ अधिकारी एलडीए में भी तैनात रहे हैं। नोएडा अथॉरिटी में तैनात रहे आईएएस अफसर अटल कुमार राय एलडीए में सेवाएं दे चुके हैं, जांच के घेरे में हैं। एसआईटी ने उनकी पत्नी, पुत्र और पुत्री के नाम दर्ज संपत्तियों का पूरा ब्योरा मांगा है ।नोएडा अथॉरिटी के पूर्व सीईओ रमारमन के खिलाफ भीआय सेअधिक संपत्ति की जांच हो रही है।

एसआईटी ने उनकी, उनके परिवार की संपत्ति की जानकारी मांगी है। रमा रमन के साथ उनकी पत्नी, पुत्र और पुत्री के नाम दर्ज संपत्ति की जांच हो रही है ।एसआईटी ने तत्कालीन विधि अधिकारी राजेश कुमार, उनकी पत्नी आशा रानी, पुत्री कृतिका राय, पुत्र देवेश राय के नाम संपत्तियों का ब्योरा मांगा है। वीरेंद्र सिंह नागर, उनकी पत्नी, पुत्र,पुत्रियों , विनोद कुमार पवार राजनगर, गाजियाबाद दिनेश कुमार सिंह, उनकी पत्नी कुसुम लता सिंह, पुत्र अभिषेक कुमार, एसएन श्रीवास्तव, उनकी पत्नी सुप्रिया, पुत्री सुरभि, मदनलाल मीणा और उनके पूरे परिवार, आलोक कुमार टंडन, उनकी पत्नी रीना, पुत्र अनन्या, पुत्री सौम्या, राजेश प्रकाश, महेंद्र कुमार भंडारी और उनके परिवार, साथ ही तत्कालीन मुख्य विधि सलाहकार विद्या प्रकाश के परिजनों की संपत्तियों की भी जांच हो रही है। सिर्फ विकास प्राधिकरण ही नहीं बल्कि इन अधिकारियों के गृह जनपदों से भी संपत्तियों का पूरा विवरण जुटाया जा रहा है। आदेश में कहा गया है कि पंजीकृत संपत्तियों के प्रमाणित दस्तावेज, रजिस्ट्री, एग्रीमेंट और रिकॉर्ड प्राथमिकता के आधार पर एसआईटी की ई-मेल आईडी पर भेजे जाएं क्योंकि मामला सर्वोच्च न्यायालय के आदेश से जुड़ा है ।सुप्रीम कोर्ट ने 13 अगस्त 2025 को एसआईटी गठित कर नोएडा मुआवजा घोटाले की जांच का आदेश दिया था। अब एसआईटी ने अपना दायरा बढ़ाकर घोटाले से कमाई गई कथित अवैध संपत्तियों तक जांच पहुंचा दी है। कुछ आरोपी अधिकारी सेवानिवृत्त हो चुके हैं, एक का निधन हो चुका है, जबकि कुछ अहम पदों पर हैं।

भाजपा का बहिष्कार ड्रामा, अब परदेसी ताकतों का कर रही स्वागतः अखिलेश

लखनऊ (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा और उसके संगी-साथी स्वदेशी का नारा लगाते-लगाते अब परदेसी हो गए हैं। उन्होंने कहा कि जो लोग कल तक चीन से आयात और चीनी सामान के बहिष्कार की बातें कर रहे थे, वही आज खुलेआम उसका स्वागत कर रहे हैं। बुधवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट करते हुए श्री यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा के वैचारिक उस्ताद पड़ोसी

देश से एकदलीय व्यवस्था का ष्मास्टर क्लासष् ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिस स्तर तक अब मुलाकात पहुँच गई है, उससे साफ है कि इसकी तैयारी कई वर्षों से चल रही थी। ऐसे में बहिष्कार का यह सारा ड्रामा केवल समर्थकों की आँखों में धूल झोंकने के लिए किया गया। सपा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा समर्थक, जो चीनी सामान के बहिष्कार के लिए घर-घर जाकर प्रचार कर रहे थे, आज खुद को ठगा महसूस कर रहे हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि भाजपा के ये समर्थक श्रंगे सियार की कहानी भूल गए थे, जिसका सच बारिश में सामने आ जाता है।

यूपी में एसआईआर के नाम पर साढ़े चार करोड़ वोटरों की हेराफेरीः संजय सिंह

लखनऊ (संवाददाता)। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने लखनऊ में बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के नाम पर चुनाव आयोग, केंद्र सरकार और राज्य सरकार के अधिकारियों ने मिलकर बड़े पैमाने पर मतदाता सूची से छेड़छाड़ की है। उन्होंने दावा किया कि साढ़े चार करोड़ मतदाता सूची से गायब कर दिए गए हैं और यह पूरी प्रक्रिया भाजपा को चुनाव में फायदा पहुंचाने के लिए की गई है। संजय सिंह ने कहा कि नगर निगम क्षेत्रों में योगी सरकार के कर्मचारियों ने गहन पुनरीक्षण किया, जबकि ग्राम पंचायत, जिला पंचायत और बीडीसी चुनावों के लिए अलग-अलग आंकड़े प्रस्तुत किए गए। उनके मुताबिक दिसंबर 2025 में चुनाव आयोग ने उत्तर प्रदेश में करीब 17 करोड़ मतदाता होने की बात कही थी, लेकिन बाद में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों को मिलाकर केवल 12 करोड़ 55 लाख मतदाता बताए गए। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर साढ़े चार करोड़ मतदाता कहां चले गए और इसकी जवाबदेही कौन लेगा। आप सांसद ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यह कहकर संकेत दिया है कि हर बूथ पर 200 नए वोट जोड़े जाएंगे। संजय सिंह का दावा है कि ये वोट दूसरे राज्यों से लाकर जोड़े जाएंगे और विपक्षी मतदाताओं के नाम नहीं बढ़ेंगे, जबकि भाजपा समर्थकों के वोट शामिल किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा विधायक नीरज बोरा खुद इस बात को सार्वजनिक रूप से कह चुके हैं, जिससे इन आरोपों को और बल मिलता है। संजय सिंह ने कहा कि दो करोड़ 10 लाख मतदाताओं को शिफ्टेड दिखाया गया है, जबकि यह पूरी प्रक्रिया घर बैठे की गई धांधली है। उन्होंने दावा किया कि दो करोड़ 17 लाख लोगों के फॉर्म-10 की जानकारी वे मुख्य निर्वाचन अधिकारी से मांगेंगे ।उनका आरोप है कि यह सब कुछ योजनाबद्ध तरीके से किया गया ताकि भाजपा के पक्ष में मतदाता सूची तैयार की जा सके। संजय सिंह ने जनता को आगाह करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश के लोगों को अपनी संपत्ति बचाने के लिए तैयार रहना चाहिए। उनका दावा है कि फर्जी वोटर जोड़ने के बाद सरकार संपत्तियों पर दावे ठोक सकती है और लोगों को कानूनी मुकदमों में उलझाया जाएगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली, गुजरात, बिहार और हरियाणा जैसे राज्यों से लोगों के नाम उत्तर प्रदेश की वोटर लिस्ट में जोड़े जाने का आरोप भी गंभीर है। आप सांसद ने ऐलान किया कि वह इस पूरे मामले को लेकर उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को पत्र लिख रहे हैं और स्थिति स्पष्ट करने की मांग करेंगे। साथ ही उन्होंने सुप्रीम कोर्ट से पूरे मामले का संज्ञान लेकर निष्पक्ष जांच कराने की मांग की। संजय सिंह ने कहा कि अगर जांच हुई तो एसआईआर के नाम पर हुए इस कथित घोटाले में कई लोग जेल जाएंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार और चुनाव आयोग ने मिलकर यह प्रक्रिया भाजपा को जिताने के लक्ष्य से की है।

रामाशीष राय ने प्रदेशवासियों को दी मकर संक्रांति की शुभकामनाएं

लखनऊ (संवाददाता)। राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रामाशीष राय ने मकर संक्रांति के पावन अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी है। शुभकामना संदेश में उन्होंने कहा कि मकर संक्रांति भारतीय संस्कृति का एक प्रमुख पर्व है, जो सूर्य के उत्तरायण होने का प्रतीक है और जीवन में नई ऊर्जा, नई आशा तथा नए संकल्पों का संदेश देता है ।डॉ. रामाशीष राय ने कहा कि यह पर्व आपसी प्रेम, सौहार्द, भाईचारे, सामाजिक समरसता को मजबूत करने का अवसर है। यह त्योहार हमें प्रकृति के प्रति सम्मान, परिश्रम के महत्व और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कामना की कि यह पर्व प्रदेश के हर नागरिक के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली लेकर आए।

पश्चिमी यूपी में शीतलहर का कहर, लखनऊ में सीजन की सबसे ठंडी सुबह

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में कड़ाके की ठंड का सिलसिला जारी है। राजधानी लखनऊ में बुधवार को इस मौसम की अब तक की सबसे ठंडी सुबह दर्ज की। शहर में न्यूनतम तापमान 5.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो चार जनवरी को दर्ज छह डिग्री सेल्सियस के पिछले न्यूनतम स्तर से 0.4 डिग्री कम है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई जिलों में तापमान और अधिक गिर गया। मुजफ्फरनगर प्रदेश का सबसे ठंडा जिला रहा, जहां न्यूनतम तापमान गिरकर 2.1 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। यह सामान्य से 3.5 डिग्री कम है और बीते दो वर्षों में दर्ज किया गया सबसे कम तापमान है। मेरठ में न्यूनतम तापमान 2.9 डिग्री (सामान्य से 3.4 डिग्री कम), बरेली में तीन डिग्री, कानपुर शहर में चार डिग्री और हरदोई में 4.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि रात के तापमान में गिरावट के कारण पश्चिमी उत्तर प्रदेश में शीतलहर और पाला पड़ने की स्थिति बनी हुई है, हालांकि दिन में मौसम अपेक्षाकृत सुहावना रहने की संभावना है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार बुधवार और गुरुवार को भी प्रदेश के कई हिस्सों में शीतलहर का असर बना रहेगा। लखनऊ में आज अधिकतम तापमान लगभग 21 डिग्री और न्यूनतम तापमान छह डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ के गुजरने के बाद हवाओं की दिशा उत्तर-पश्चिमी हो गई है, जिससे बीते 48 घंटों में प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में दिन और रात के तापमान में दो से चार डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है। इसके कारण पश्चिमी प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में न्यूनतम तापमान चार डिग्री से नीचे चला गया, जिससे मेरठ, मुजफ्फरनगर और बरेली में शीतलहर की स्थिति बनी। आगामी 48 घंटों में मौसम में कोई बड़ा बदलाव होने का कोई नहीं अनुमान नहीं है। आगरा, अलीगढ़, मेरठ, सहारनपुर, मुरादाबाद और रोहिलखंड मंडल के कुछ हिस्सों में शीतलहर और पाले का असर जारी रह सकता है। वहीं तराई क्षेत्रों और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के दक्षिणी इलाकों में सुबह के समय घना कोहरा छाने की संभावना है, जो दिन चढ़ने के साथ छंट जाएगा और धूप निकलने से दिन में ठंड से कुछ राहत मिलेगी। मौसम विभाग के अनुसार लगातार सक्रिय हो रहे दो पश्चिमी विक्षोभों के प्रभाव से 15 जनवरी के बाद न्यूनतम तापमान में तीन से पांच डिग्री सेल्सियस की क्रमिक बढ़ोतरी होने का अनुमान है। इससे पश्चिमी उत्तर प्रदेश में जारी शीतलहर से राहत मिल सकती है। वहीं 18 जनवरी से प्रदेश के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश और बूंदाबांदी शुरू हो सकती है, जो अगले दो से तीन दिनों में तेज हो सकती है।

पसीना वाले हनुमान मंदिर का होगा कायाकल्प, सुंदरीकरण पर खर्च होंगे एक करोड़

लखनऊ (संवाददाता)। पर्यटन विभाग ने फिरोजाबाद के बहुचर्चित पसीना वाले हनुमान मंदिर के पर्यटन के विकास का निर्णय लिया है। 2000 वर्ष प्राचीन माने जाने वाले ऐतिहासिक मंदिर को शासन स्तर से अनुमोदित कार्य योजना के अंतर्गत एक करोड़ रुपए की लागत से विकसित किया जाएगा। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि विभाग का यह प्रयास फिरोजाबाद को धार्मिक पर्यटन के मानचित्र पर स्थापित करने की दिशा में अहम कदम है। फिरोजाबाद से कुछ किलोमीटर की दूरी पर यमुना नदी के तट पर स्थित प्रसिद्ध पसीना वाले हनुमान मंदिर का समग्र पर्यटन विकास किया जाएगा ।परियोजना के अंतर्गत मंदिर परिसर का सौंदर्यीकरण, आधुनिक प्रकाश व्यवस्था, पर्यटक सूचना केंद्र, स्वच्छ शौचालय, पेयजल सुविधा तथा श्रद्धालुओं के लिए विश्राम स्थलों का निर्माण किया जाएगा। पसीना वाले हनुमान मंदिर के बारे में मान्यता है कि यहां आस्था तर्क से आगे निकल जाती है। अपनी तरह के इस अनूठे मंदिर में स्थित हनुमान जी की प्रतिमा से वर्ष भर पसीना निकलता रहता है। सर्दियों में भी प्रतिमा पर पसीने की बूंदें श्रद्धालुओं को आश्चर्यचकित करती है। इसी चमत्कारी विशेषता के कारण लोग मंदिर का दर्शन करने दूर-दूर से आते हैं। पर्यटन के लिहाज से फिरोजाबाद महत्वपूर्ण जिला है। लखनऊ और आगरा रूट से जुड़े होने की वजह से जिले में पर्यटकों की आवक बढ़ी है। 2023 में जनपद आने वाले पर्यटकों की संख्या 4.44 से अधिक थी, जो साल 2024 में बढ़कर 6.48 लाख के पार चला गया। वर्ष 2025 के जनवरी से जून महीने तक 4.06 लाख से अधिक पर्यटकों ने जिले की सैर की। पर्यटन विभाग का अनुमान है कि 2025 के वर्षांत तक यह आंकड़ा 7 लाख के पार जा सकता है। बड़ी संख्या में पर्यटक आगमन से न केवल स्थानीय अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है, बल्कि रोजगार के रास्ते खुले हैं। फिरोजाबाद आस्था, ऐतिहासिक धरोहर और प्रकृति की गोद में सिमटा जनपद है। यह अब केवल कांच नगरी तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि तेजी से उभरते ईको पर्यटन गंतव्य के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान गढ़ रहा है। जिले में जैन मंदिर, वैष्णो देवी मंदिर और माता टीला मंदिर जैसे आस्था के केंद्रों से लेकर कोटला का किला, चंदवार गेट और फिरोज शाह के मकबरे जैसी ऐतिहासिक विरासत पर्यटकों को आकर्षित करती है ईको टूरिज्म विकास बोर्ड द्वारा विकसित रपड़ी ईको स्पॉट, रूरिया स्वरूपपुर आज प्रकृति प्रेमियों और पर्यटकों के बीच खास आकर्षण बनकर फिरोजाबाद को पर्यटन मानचित्र को गति दे रहे हैं।

अब हर किसान को मिलेगा सम्मान

पंचायत चुनावः योगी सरकार ने उठाया ठोस कदम

लखनऊ (संवाददाता)। यूपी में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की तैयारी चल रही है। इससे पहले गांवों में बड़ा अभियान चलाने की तैयारी है। तैयारी किसान सम्मान निधि हर किसान को दिलाने की है ।यूपी के करीब 14.7 फीसदी किसान अभी भी पीएम किसान पोर्टल पर रजिस्टर्ड नहीं हैं। इन अपंजीकृत किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि योजना समेत खेती-किसानी से जुड़ी किसी भी सरकारी योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा। अब सरकार के करीब आधा दर्जन विभाग जिनमें कृषि, उद्यान, राजस्व, गन्ना, पशुपालन, मत्स्य विभाग शामिल हैं। ये गैर पंजीकृत काश्तकारों को चिन्हित कर उनका पंजीयन कराएंगे। इन विभागों की ओर से इसके लिए संयुक्त अभियान चलाया जाएगा। केंद्र सरकार ने राज्यों से कहा है कि एक अप्रैल से पीएम किसान सम्मान निधि की किस्त उन्हीं किसानों को दी जाएगी, जिन्होंने पोर्टल पर पंजीकरण कराया हुआ है। राज्य सरकार जल्द से जल्द प्रदेश के पात्र किसानों के रजिस्ट्रेशन पर जोर दे रही है। प्रदेश में 26 जनवरी के बाद प्रदेशव्यापी विशेष अभियान चलाने का निर्णय है। सरकार ने किसानों से भी अपील की है कि वे तय समय सीमा के भीतर पंजीकरण कराएं ताकि किसी भी किसान को पीएम किसान सम्मान निधि की आगामी किस्त से वंचित न होना पड़े। जिलाधिकारियों को निर्देश है कि पीएम किसान पोर्टल पर प्रत्येक किसान का विवरण अपडेट कराये। आगामी घोषित होने वाली तिथियों में शिविर लगाए जाएंगे। प्रत्येक विकास खण्ड में कम से कम एक शिविर अनिवार्य होगा ।जिन कृषकों के पंजीयन नहीं हो सके हैं, उनमें एक बड़ी संख्या उन किसानों की है जो सम्मान निधि की परिधि में नहीं आते मसलन उनकी खेती तो है लेकिन वे सरकारी नौकरी करते हैं और आयकर दाता है। कई मानकों पर भी वे बाहर हैं बड़ी संख्या ऐसे गैरपंजीकृत किसानों की है। बड़ी संख्या ऐसे गैरपंजीकृत किसानों की है, जिन्होंने आधार दुरुस्त नहीं कराया है या बैक खातों को अपडेट नहीं किया है। ऐसे काश्तकारों को चिन्हित कर उनकी इन त्रुटियों को दूर किया जाएगा। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना जब से शुरू हुई है उसकी अब तक 21 किस्ते किसानों के खाते में भेजी जा चुकी है। इसमें हर चार माह पर प्रति किसान 2000 रुपये डीबीटी के माध्यम से सीधे खाते में भेजे जाने की व्यवस्था है। नवम्बर में 21वीं किस्त जारी हुई थी जिसमें प्रदेश के 2,15,71,323 किसानों के खाते में 4,314.26 करोड़ रुपये भेजे गए।

संक्षिप्त खबरें

युवक की हत्या कर शव जलाने वाले 2 युवक गिरफ्तार

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी में सुशांत गोल्फ सिटी पुलिस ने ब्लाइंड मर्डर का खुलासा करते हुए 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने युवक की हत्या कर पहचान और सबूत मिटाने के लिए शव को जला दिया था। पुलिस ने इस सनसनीखेज हत्याकांड में प्रयुक्त चाकू, घटना में इस्तेमाल स्कूटी और मोबाइल फोन बरामद किए हैं। डीसीपी साउथ ने बुधवार को इस मामले की जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, 9 जनवरी 2026 को भागरथी एन्क्लेव के पास एक जला हुआ शव मिला था। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। बाद में मृतक की पहचान सचिन तिवारी, पुत्र स्वर्गीय श्याम तिवारी, निवासी टिकरा जुगरात, थाना नगराम, लखनऊ के रूप में हुई। मृतक के भाई विपिन तिवारी की तहरीर पर 13 जनवरी 2026 को सुशांत गोल्फ सिटी थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था, जिसके बाद पुलिस ने जांच शुरू की। पुलिस उपायुक्त (दक्षिणी) के निर्देशन में पांच टीमें गठित की गईं। इन टीमों ने तकनीकी साक्ष्य, सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर तंत्र की मदद से आरोपियों का पता लगाया। पुलिस ने निहाल बाल्मीकि और करन बाल्मीकि को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उनके पास से एक चाकू, हौंडा एक्टिवा स्कूटी और दो एंड्रॉइड मोबाइल फोन बरामद हुए हैं। दोनों आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है। मृतक सचिन तिवारी पर पहले से छह मुकदमे दर्ज थे। डीसीपी ने इस मामले को सुलझाने वाली पुलिस टीम को पच्चीस हजार रुपए का इनाम देने की घोषणा की है।

घर के बाहर खड़ी स्कॉर्पियो में लगी आग

लखनऊ (संवाददाता)। रहीमाबाद थाना क्षेत्र स्थित कैथन खेड़ा गांव में मंगलवार रात एक स्कॉर्पियो कार में अचानक भीषण आग लग गई। इस घटना में स्कॉर्पियो पूरी तरह लकर राख हो गई। पुलिस के अनुसार, मलिहाबाद थाना क्षेत्र के हसनापुर निवासी प्रदीप कुमार मंगलवार शाम अपनी नानी के घर कैथन खेड़ा आए हुए थे। रात करीब 10.30 बजे जब वह घर के अंदर थे, तभी बाहर खड़ी उनकी स्कॉर्पियो में आग लग गई। शोर सुनकर प्रदीप बाहर पहुंचे। देखा स्कॉर्पियो जल रही है। ग्रामीणों ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन लपटें इतनी भीषण थीं कि स्कॉर्पियो को बचाया नहीं जा सका। कुछ ही देर में गाड़ी पूरी तरह जलकर खाक हो गई। गनीमत रही कि आग आसपास के घरों तक नहीं फैली, जिससे कोई बड़ा हादसा टल गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर जमा हो गए। रहीमाबाद इंस्पेक्टर अरुण कुमार त्रिगुणायक ने बताया कि आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है। इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है।

ट्रैक्टर और कार में भीषण टक्कर, 3 युवक गंभीर रूप से घायल

लखनऊ (संवाददाता)। मोहनलालगंज थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात एक सड़क दुर्घटना हुई। एचपी पेट्रोल पंप गौरा के पास रात करीब 10.30 बजे एक कार और ट्रैक्टर के बीच जोरदार टक्कर हो गई। इस हादसे में कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। कार सवार तीन युवक घायल हो गए। टक्कर के बाद ट्रैक्टर चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। दुर्घटना की सूचना पर मोहनलालगंज पुलिस मौके पर पहुंची। तीनों घायल युवकों को एम्बुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) मोहनलालगंज पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। घायलों की पहचान 23 वर्षीय निलेश मिश्रा निवासी अंतू, प्रतापगढ़, 19 साल के नीरज चौबे निवासी बदलापुर, जौनपुर और 26 साल के अमन सोनी निवासी प्रयागराज के रूप में हुई है। पुलिस ने सभी घायलों के परिजनों को घटना की सूचना दे दी है। पुलिस के अनुसार, दुर्घटना के बाद कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित हुआ था, जिसे पुलिस टीम ने शीघ्र ही सामान्य कर दिया। मौके पर कानून व्यवस्था की स्थिति पूरी तरह सामान्य बनी हुई है। पुलिस फरार ट्रैक्टर की तलाश कर रही है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से वाहन और चालक की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

लखनऊ-हरदोई हाईवे पर खड़े ट्रक से डाला टकराया, ड्राइवर-क्लीनर घायल

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ-हरदोई नेशनल हाईवे पर मंगलवार देर रात एक सड़क हादसा हो गया। रहीमाबाद थाना क्षेत्र के अंतर्गत रात करीब 2 बजे एक अनियंत्रित डाला (पिकअप) सड़क किनारे खड़े एक नए ट्रक से पीछे से टकरा गया। इस दुर्घटना में डाला चालक और उसका हेल्पर गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, डाला चालक रमन पाल अपने हेल्पर विपुल पाल के साथ लखनऊ से शाहजहांपुर की ओर जा रहा था। रहीमाबाद चौराहे से लगभग 1 किलोमीटर पहले उनका डाला सड़क किनारे खड़े ट्रक से जा टकराया। टक्कर इतनी तेज थी कि डाले का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के संबंध में घायल हेल्पर विपुल पाल ने बताया कि ट्रक को गलत तरीके से सड़क पर खड़ा किया गया था। रात के अंधेरे में ट्रक समय रहते दिखाई नहीं दिया, जिसके कारण चालक अपना नियंत्रण खो बैठा और वाहन सीधे ट्रक के पीछे जा घुसा।

मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग योजनाः यूपी में 94 नई फैक्ट्रियां शुरू

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के गांवों में रोजगार के नए अवसर बढ़े हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आत्मनिर्भर ग्राम विजन के तहत मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में इस योजना के माध्यम से प्रदेश में 94 नई उद्योग इकाइयाँ शुरू की गई हैं, जिनमें 648.63 लाख रुपए का निवेश हुआ। छोटे समय में ही इस पहल से 2,586 युवाओं को उनके गांव के पास ही स्थायी और सम्मानजनक रोजगार मिला है ।योजना के तहत ग्रामीण युवा 18-50 वर्ष के आयु वर्ग के लिए अपना उद्योग शुरू करने में सक्षम बन रहे हैं। इसके लिए 10 लाख रुपये तक का बैंक ऋण उपलब्ध है। सामान्य वर्ग के लिए सरकार 4ः से अधिक का ब्याज स्वयं वहन करती है। जबकि आरक्षित वर्ग एससीध्एसटी,ओबीसी, महिला, अल्पसंख्यक, दिव्यांग के लिए 100 फीसदी ब्याज सरकार द्वारा चुकाया जाता है। सामान्य वर्ग को 10, आरक्षित वर्ग को 5 प्रतिशत निवेश करना होता है ।लाभार्थियों का चयन जिलाधिकारी की अध्यक्षता वाले जिला स्तरीय टास्क फोर्स के माध्यम से किया जाता है, जिससे योजना पूरी तरह भ्रष्टाचार मुक्त रहती है इस योजना से उद्योग गांवों में लगने से युवाओं का शहरों की ओर पलायन कम हुआ। महिला सशक्तिकरण को विशेष प्राथमिकता देकर आर्थिक स्वतंत्रता दी जा रही है। उद्योगों का जाल पूरे प्रदेश में रोजगार, आत्मनिर्भरता बढ़ा रहा है। कारीगर आधुनिक तकनीक से जुड़कर अपने उत्पाद बाजार में बेच सकते हैं ।मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना ने साबित किया है कि ग्रामीण संसाधनों और युवाओं की ऊर्जा का सही संयोजन प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बना सकता है। सरकार का लक्ष्य है कि आने वाले समय में इन इकाइयों की संख्या बढ़ाकर हर ब्लॉक तक रोजगार के अवसर पहुँचाये जाये।

मंत्र भारत

लखनऊ-गुरूवार,15 जनवरी 2026

सम्पादकीय

भाजपा-चीन भाई-भाई

देश को धर्मांधता और राष्ट्रवाद के जहर में डुबोकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पतंगबाजी और डमरू बजा रहे हैं। जनता को फिर भी समझ नहीं आ रहा कि मदारी जैसे खेल दिखाकर दर्शकों को असलियत से भटका देता है, वही काम भाजपा सरकार कर रही है। मदारी तो फिर भी अपनी रोजी-रोटी के लिए यह काम करता है, उसमें पेशे के प्रति ईमानदारी होती है, जो भाजपा की मौजूदा सरकार में सिरे से नदारद दिख रही है। छह साल पहले जून 2020 में गलवान घाटी पर चीन ने अतिक्रमण की कोशिश की थी और इसमें सीमा पर तैनात भारतीय सैनिकों से झड़प हुई, जिसमें कम से कम 20 जवान शहीद हुए थे। उस समय नरेन्द्र मोदी से बिहार चुनाव में बिहार रेजीमेंट के शहीद जवानों के नाम को भुनाया था। आचार संहिता कहती है कि सेना के नाम पर वोट नहीं मांगे जा सकते, लेकिन नरेन्द्र मोदी कहां आचार-विचार की परवाह करते हैं। उन्हें केवल सत्ता और मुनाफा नजर आता है। इसलिए अब जिस चीन को दुश्मन बताकर उसका आर्थिक बहिष्कार करने का ऐलान किया, लाल आंखें दिखाकर डराने का वादा किया, अब उसी चीन की सत्तारुढ़ कम्युनिस्ट पार्टी से भाजपा और संघ की बाकायदा बैठक हो रही है। इनकी निर्लज्जता और दुस्साहस अब इतना अधिक हो चुका है कि इसकी जानकारी सोशल मीडिया पर दी जा रही है। भाजपा जानती है कि देश का बिका हुआ मीडिया और चापलूसी में लगे पत्रकार इस बारे में कोई आलोचना नहीं करेंगे। बल्कि अब देश को बताया जाएगा कि चीन से नजदीकी बढ़ाकर प्रधानमंत्री मोदी ने कैसे मास्टर स्ट्रोक चला है। मोदी और जिनपिंग का प्लान, ट्रंप होगा परेशान, जैसी हेडलाइन्स देखने मिलें तो आश्चर्य नहीं।पाठकों को बता दें कि मंगलवार को भाजपा के विदेश मामलों के विभाग के प्रभारी विजय चौथाई वाले ने एक पोस्ट में जानकारी दी कि सीपीसी के अंतरराष्ट्रीय विभाग (आईडीसीपीसी) की उपमंत्री सुन हैयान के नेतृत्व में सीपीसी प्रतिनिधिमंडल ने दिल्ली में भाजपा मुख्यालय का दौरा किया। इस दौरान भाजपा प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व पार्टी के महासचिव अरुण सिंह ने किया। बैठक में भारत में चीनी राजदूत जू फीहोंग भी शामिल हुए। बैठक के दौरान भाजपा और सीपीसी के बीच संचार और संवाद को बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा हुई। अब ये सवाल भाजपा से पूछा जा सकता है कि आखिर वह किस हैसियत से उस देश की सत्तारुढ़ पार्टी से संचार और संवाद बढ़ाना चाहती है, जो बार-बार हमारी सीमाओं में अतिक्रमण करता है, हमारे इलाकों पर अपना दावा ठोंकता है, और जिसने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को मदद पहुंचाई? क्या प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भाजपा और चीन की पार्टी के बीच हुई बैठक से नावाकिफ थे? अगर नहीं, तो पहले से इस बारे में उन्होंने देश को सूचित क्यों नहीं किया। वैसे प्रधानमंत्री मोदी से अब किसी भी किस्म की ईमानदार पहल की अपेक्षा नहीं रखनी चाहिए। क्योंकि गलवान के बाद उन्होंने कहा था कि न कोई घुसा था, न हमारी जमीन गई। जबकि तथ्य है कि चीनी सेना ने हमारी जमीन का अतिक्रमण किया है और अब उसे वापस लेने की मांग शायद भारत सरकार ने छोड़ दी है। देश के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल हजारों साल पहले के हमलों का बदला लेने के लिए आज के नौजवानों को उकसा रहे हैं, लेकिन अपनी जिम्मेदारी पूरी नहीं कर रहे। पहले कंधार तक वो आतंकवादियों को छोड़कर आए थे, और अब गलवान, पुलवामा, पहलगाम जैसे बड़े हमलों के बावजूद उनकी कोई पुख्ता रणनीति सामने नहीं आ रही है, जिससे पता चले कि हां वो वाकई धुरंधर है। खैर, भाजपा और चीन अब भाई-भाई हैं, ये बात तो भाजपा ने ही साबित कर दी है। इधर चीन ने अपने अतिक्रमण वाले चरित्र को बरकरार रखते हुए जम्मू-कश्मीर की शक्सगाम घाटी पर अपने क्षेत्रीय दावे को दोहराया है। चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा कि यह क्षेत्र चीन का हिस्सा है और 1960 के दशक में पाकिस्तान के साथ सीमा समझौते के तहत यह वैध है। उन्होंने भारत की आपत्तियों को खारिज करते हुए कहा कि चीन और पाकिस्तान को संप्रभु देशों के रूप में सीमा निर्धारण का अधिकार है। इस पर भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि शक्सगाम घाटी भारतीय क्षेत्र है और 1963 का चीन-पाकिस्तान सीमा समझौता अवैध और अमान्य है। बता दें कि पाकिस्तान ने 1963 में अवैध रूप से कब्जे वाले क्षेत्रों से 5,180 वर्ग किमी भूमि चीन को सौंप दी थी। यानी जिस जमीन पर पाकिस्तान ने जबरन हक जमा रखा है, उसे उसने चीन को सौंपा है और अब दोनों इसे सही बता रहे हैं। लेकिन ये मोदी सरकार की कमजोरी ही है कि जुबानी जमाखर्च से बात आगे नहीं बढ़ रही है। चीन अब शक्सगाम घाटी में सड़क और सैन्य बुनियादी ढांचा विकसित कर रहा है। जो भारत की सुरक्षा के लिए सही नहीं है।सवाल ये है कि क्या गलवान के बाद जैसे मोदी सरकार चुपके से चीन के सामने झुक गई, क्या अब भी वैसा ही होगा। गलवान और पहलगाम के शहीदों के परिजनों पर इस समय क्या बीत रही होगी, ये कल्पना नहीं की जा सकती है।

अमेरिकी मनमर्जी को रोकने के लिए विश्व को एक होना पड़ेगा

1995 में एक फिल्म आई थी, गैंबलर। गोविंदा-शिल्पा शेट्टी अभिनीत इस फिल्म का एक गाना उन दिनों बेहद मशहूर हुआ था, मैं चाहे ये करूं, मैं चाहे वो करूं, मेरी मर्जी निश्चित तौर पर कह सकते हैं कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप ने ये गाना नहीं सुना होगा, लेकिन उन्होंने हाल ही में न्यूयार्क टाइम्स को दिए इंटरव्यू में जो कहा है, उसका भावार्थ कुछ यही निकलता है। उन्होंने कहा है, सिर्फ मेरा दिमाग ही मुझे रोक सकता है। मेरी अपनी नैतिकता और अपना दिमाग। यहीं वे चीजें हैं, जो मुझे रोक सकती हैं। मुझे अंतर्राष्ट्रीय कानून की परवाह नहीं है और न ही इसकी जरूरत। तीन जनवरी को वेनेजुएला में की गई अमेरिकी कार्रवाई के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में ट्रंप का इन शब्दों का प्रयोग करना दुनिया के लिए निश्चित तौर पर डरावना है। ट्रंप और उनकी सोच पारंपरिक लोकतांत्रिक मुखौटाबाज राजनीति से अलग है, लिहाजा वे खुलकर ऐसा कह रहे हैं। लेकिन सुपर पावर के रूप में स्थापित होने के बाद से ही अमेरिका की सोच और कार्यशैली ऐसी ही रही है। अमेरिका की सत्ता में दो ही पार्टियों का वर्चस्व है। चाहे रिपब्लिकन पार्टी हो या फिर डेमोक्रेटिक पार्टी, दोनों के राष्ट्रपतियों की कार्यशैली कम से कम विदेश मामलों में एक जैसी ही रही है। ट्रंप खुलकर अमेरिका फर्स्ट की नीति और नीयत का हवाला देते हैं, लेकिन दूसरे राष्ट्रपति ऐसा कहने से बचते रहे हैं। हां, उनके भी कदम हमेशा ऐसा ही रहे हैं। अफगानिस्तान में अमेरिकी कार्रवाई हो, खाड़ी युद्ध हो, सूडान स्थित अमेरिकी दूतावास पर आतंकी हमले के बाद अमेरिकी कार्रवाई हो, वियतनाम का युद्ध हो, ईरान पर कार्रवाई हो, हर जगह अमेरिका अपने हितों की रक्षा के लिए कार्रवाई करता रहा है। बेशक उसे कई बार मुंह की खानी पड़ी है। हाल ही में ट्रंप के पूर्व राष्ट्रपति रहे डेमोक्रेटिक पार्टी के जो बाइडन की सेनाएं अफगानिस्तान छोड़कर भाग खड़ी हुईं। वियतनाम का युद्ध लंबा चला था। इसे शुरू किया था डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी ने और जब अमेरिका वियतनाम युद्ध में फंसता नजर आया तो रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपति रहे रिचर्ड निक्सन ने सेनाओं की वापसी कराई। कुवैत पर जब इराकी तानाशाह सद्दाम हुसैन ने हमला किया, तब जार्ज बुश सीनियर राष्ट्रपति थे। अमेरिका में एक धारणा रही है कि कुवैत पर कब्जे की कार्रवाई इराकी राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन ने अमेरिकी इशारे पर ही की थी। लेकिन जब मामला उल्टा पड़ गया तो जॉर्ज बुश सीनियर ने संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रस्तावों की आड़ में ब्रिटेन, फ्रांस जैसे देशों के साथ गठबंधन करके सैनिक कार्रवाई शुरू की। 1990 में अमेरिकी कार्रवाई के चलते इराकी गार्ड को कुवैत को खाली करना पड़ा। इसके बाद इराक अमेरिका का कट्टर दुश्मन बन गया। वैसे लंबे समय तक चले ईरान-इराक युद्ध के पीछे भी अमेरिकी हित काम कर रहे थे। तब दुनिया दो धुवीय थी। एक तरफ सोवियत संघ की अगुआई में विश्व का एक बड़ा हिस्सा काम कर रहा था तो दूसरी ओर अमेरिकी अगुआई में ज्यादातर नाटो देश सक्रिय थे। अफगानिस्तान में जब पिछली सदी के अस्सी के दशक में सोवियत सेनाएं घुसीं, तब सोवियत संघ को काबू करने के लिए अमेरिकी सरकार ने पाकिस्तान का उपयोग किया और एक तरह से पाकिस्तान को अपना अघोषित उपनिवेश बना लिया। भारत और पाकिस्तान के बीच हुए 1965 और 1971 के युद्धों में अमेरिका में चाहे जिसकी भी सरकार रही हो, अमेरिकी सेनाओं और सरकार ने परोक्ष रूप से पाकिस्तान का साथ दिया और भारत का विरोध किया। साल 2024 में हुए बांग्लादेश में विद्रोह और शेख हसीना के तख्तापलट के पीछे भी अमेरिकी एजेंसियों के हाथ को लेकर संदेह जताया जाता है। साल 2010 के दिसंबर में ट्यूनिशिया में शुरू हुई पिंक क्रांति, जिसे अरब क्रांति के नाम से भी जाना जाता है, की बुनियाद पर अरब देशों में कार्रवाई करने और तख्तापलट के पीछे भी अमेरिकी एजेंसियों के सहयोग को देखा जाता है। अमेरिकी एजेंसियों की ही शह पर लीबिया से गद्दाफी की विदाई हुई, सीरिया अब भी जल रहा है। निश्चित तौर पर अमेरिकी प्रतिकार में शीत युद्ध के दिनों में सोवियत संघ कभी प्रत्यक्ष तो कभी परोक्ष काम करता था, अब दुनिया की दूसरे नंबर की आर्थिक महाशक्ति बन चुका चीन कर रहा है। हाल ही में वेनेजुएला के जिन मादुरो की सत्ता को अमेरिकी सेनाओं ने पलट दिया, उन्हें चीन का खुला समर्थन मिल रहा था। शीत युद्ध के दिनों में सोवियत संघ और उसकी सेना ऐसे हालात में अमेरिकी सेनाओं का परोक्ष विरोध करती थी, वैसा चीन नहीं कर पाया। कह सकते हैं कि अमेरिका में हर सत्ता ने वैश्विक ताकत क्रम में खुद को सर्वोच्च बनाए रखने के लिए अपने हिसाब से दादागिरी दिखाई है। कभी यह दादागिरी अमेरिकी हितों के नाम पर हुई तो कभी दुनिया में लोकतंत्र की स्थापना के नाम पर। कहने के लिए अमेरिका लोकतंत्र का सबसे बड़ा पहरूआ बनता है, लेकिन अमेरिकी हितों, कारोबारियों और हथियार लॉबी के हित में अक्सर वह गैर लोकतांत्रिक तरीके से कार्रवाई करता है। दुनिया का आधुनिक इतिहास इससे भरा पड़ा है। वेनेजुएला इसका ताजा उदाहरण है। ट्रंप जिन अंतरराष्ट्रीय कानूनों को अपने हिसाब से मानने या न मानने की बात कर रहे हैं, दरअसल उन्हें बनाने और संशोधित करने में सबसे ज्यादा योगदान अमेरिका का ही रहा है। विश्व में जब भी कहीं वेनेजुएला जैसी घटना होती है, तब जिनेवा समझौते और अंतरराष्ट्रीय कानूनों का बहुत जिक्र होता है। दरअसल उन्नीसवीं सदी के मध्य तक दुनिया में होने वाले युद्धों के लिए युद्धबंदियों और सैनिकों और युद्धग्रस्त देशों के लोगों को लेकर शत्रु देशों की ओर से की जाने वाली अमानवीय कार्रवाई को रोकने के लिए ना तो कोई कानून था और इसे लेकर कोई प्रयास हुआ था। साल 1864 में पहली बार युद्ध के वक्त घायलों की मदद युद्धरत देशों के बीच बातचीत के लिए रेड क्रॉस के संस्थापक हेनरी डुनेंट ने कोशिश की। यही कोशिश पहले जेनेवा समझौते के रूप में सामने आई।

भारत पर आक्रांताओं एवं अंग्रेजो के शासनकाल में भी सनातन हिंदू संस्कृति एवं भारतीय संस्कारों पर जो विचार गढ़े गए थे, वे पूर्णतः गलत पाए गए थे। जैसे, सनातन संस्कृति के संस्कार रूढ़िवादी हैं एवं यह विज्ञान के धरातल पर खरे नहीं उतरते हैं, आदि, आदि। उनके द्वारा सनातन संस्कृति के बारे में गढ़े गए विचार पूर्णतः उनके आधे अधूरे ज्ञान पर ही आधारित थे। परंतु, आज सनातन हिंदू संस्कृति के संस्कार विज्ञान के धरातल पर खरे पाए जा रहे हैं। पश्चिमी देशों के तथाकथित विद्वानों में सनातन हिंदू संस्कृति, भारत एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बारे में जानकारी का पूर्णतः अभाव है। अमेरिका से प्रकाशित न्यूयॉर्क टाइम्स नामक एक समाचार पत्र में हाल ही में प्रकाशित एक लेख में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बारे में असत्य विचार प्रकट किए गए हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स में प्रकाशित यह आलेख न तो भारत के सामाजिक यथार्थ का परिपूर्ण चित्र प्रस्तुत करता है, न ही संघ की वैचारिक और संगठनात्मक वास्तविकता को। इस लेख में तथ्यों, आंकड़ों और स्वतंत्र स्रोतों का संतुलित उपयोग नहीं किया गया है और यह लेख पूर्णतः पूर्वाग्रहों पर आधारित दिखाई देता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के इतिहास एवं संघ के स्वयंसेवकों द्वारा सम्पन्न किए गए अतुलनीय कार्यों के बारे में इन महानुभावों को कोई जानकारी ही नहीं है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना वर्ष 1925 में हुई थी और इसके साथ ही संघ ने देश के विभिन्न नगरों एवं ग्रामों में शाखाओं की स्थापना करते हुए भारत के युवाओं में राष्ट्रीयता के भाव को जागृत करना प्रारम्भ कर दिया था। वर्ष 1947 आते आते तो भारत में संघ के स्वयसेवकों की एक बड़ी फौज खड़ी हो चुकी थी। वर्ष 1947 में जब पाकिस्तानी सेना की टुकड़ियों ने कश्मीर की सीमा को पार करने की कोशिश की थी तब संघ के स्वयसेवकों ने कश्मीर की सीमा पर पाकिस्तानी सेना की गतिविधियों पर बिना किसी प्रशिक्षण के लगातार नजर बनाए रखी थी और तब पाकिस्तानी सेना को रोकने हेतु भारतीय सेना के जवानों के साथ संघ के कई स्वयसेवकों ने भी अपनी मातृभूमि की रक्षा में अपने प्राणों की आहुति दी थी। साथ ही, भारत में विभाजन के समय दंगे भड़कने के दौरान पाकिस्तान से जान बचाकर आए हिंदू शरणार्थियों की सहायता के लिए संघ के स्वयसेवकों ने 3,000 से अधिक राहत शिविर भारत में लगाए थे। कश्मीर के भारत में विलय के समय पाकिस्तान की सेना कबाईलियों के भेष में भारत की सीमा में घुस रही थी, ऐसे में तात्कालीन केंद्र सरकार यह फैसला नहीं ले पा रही थी कि इन परिस्थितियों के बीच क्या किया जाय क्योंकि उस समय कश्मीर के महाराजा श्री हरी सिंह जी भारत में कश्मीर के विलय सम्बंधी प्रस्ताव पर अपने हस्ताक्षर नहीं कर पाए थे। इन विकट परिस्थितियों के बीच सरदार पटेल ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के ससंघचालक श्री गुरु गोलवलकर जी से मदद मांगी और उन्हें कश्मीर में महाराजा श्री हरी सिंह जी से मिलने भेजा। श्री गुरु जी तुरंत कश्मीर गए एवं महाराजा श्री हरी सिंह जी को समझाया और कश्मीर के भारत में विलय सम्बंधी प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करा लिए और उसे दिल्ली भेज दिया।

अमेरिका-यूरोप के गठजोड़ में टूट का हम फायदा उठाएं

मिन्हाज मर्चेंट

डेनमार्क के सम्प्रभु क्षेत्र ग्रीनलैंड पर ट्रम्प की हमले की धमकी ने नाटो के सदस्य देशों के बीच सैन्य टकराव का खतरा पैदा कर दिया है। 32 सदस्यीय नाटो गठबंधन के अनुच्छेद-5 के तहत यदि किसी सदस्य देश पर हमला हो तो दूसरे सदस्यों को उसकी रक्षा करनी होती है। हालांकि ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी जैसे नाटो सदस्य अमेरिका से टकराने का जोखिम शायद ही उठाएंगे। लेकिन आखिर अमेरिका को ग्रीनलैंड क्यों चाहिए? क्योंकि इस आर्कटिक द्वीप की तीन बड़ी खूबियां हैं। पहली, आर्थिक रू ग्रीनलैंड में पर्याप्त तेल और खनिज भंडार हैं। दूसरी, सुरक्षागत रू ग्रीनलैंड रूसी और चीनी नौसेनाओं तथा उनके लड़ाकू विमानों पर लगतार निगरानी रख सकता है, क्योंकि वे लगातार इस द्वीप के ऊपर से गुजरते हैं। तीसरी, लॉजिस्टिक्स सम्बंधी रू ग्रीनलैंड यूरोप व एशिया के बीच कम समय लेने वाले आर्कटिक समुद्री मार्ग मुहैया कराता है। ये व्यापार के साथ भविष्य के सैन्य अभियानों के लिए भी अहम है। ट्रम्प कहते हैं कि अमेरिका ग्रीनलैंड पर नियंत्रण करेगा, चाहे सख्त रास्ता ही क्यों ना अपनाना पड़े। यूरोपीय देश इससे चिंतित हैं। ग्रीनलैंड की आबादी मात्र 57 हजार है, लेकिन उसके लोग अमेरिका का हिस्सा बनने के खिलाफ हैं। 18वीं सदी से ही ग्रीनलैंड डेनमार्क के अधीन है। डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन ने अपना रुख साफ कर दिया है कि ग्रीनलैंड पर बलपूर्वक कब्जे की कोशिश नाटो के अंत की घोषणा होगी। नाटो के सदस्य अन्य यूरोपीय नेताओं ने भी फ्रेडरिक्सन का समर्थन किया है। ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने कहा है कि ग्रीनलैंड का भविष्य वहां के लोगों और डेनमार्क द्वारा ही तय किया जाएगा। लेकिन ट्रम्प ने यूरोप की आपत्तियां खारिज कर दी हैं। उन्हें तो अमेरिका-यूरोप गठबंधन के संभावित विघटन की भी ज्यादा चिंता नहीं है, जो द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से ही पश्चिम के तमाम भू-राजनीतिक सिद्धांतों का आधार रहा है। ट्रम्प के लिए अमेरिकी और कैरेबियाई क्षेत्र वाले पश्चिमी गोलार्ध का महत्व अटलांटिक महासागर के पार वाले पुराने यूरोप से कहीं अधिक है। भू-भागों पर जबरन कब्जा करने का अमेरिका का लंबा इतिहास रहा है। अमेरिका में आए शुरूआती ब्रिटिश उपनिवेशवादियों ने वहां सदियों से रह रहे मूल अमेरिकियों से उनकी जमीन हथिया ली थीं। आजादी के बाद अमेरिका ने 1846-48 में मैक्सिको से युद्ध लड़ कर कैलिफोर्निया और टेक्सास समेत उसकी आधी भूमि कब्जा ली थी। उससे पहले 1803 में अमेरिका ने फ्रांस से लुइसियाना और 1867 में रूस से अलास्का खरीद लिया था। ऐसे में ग्रीनलैंड पर कब्जा करना भी उसके औपनिवेशिक डीएनए का ही हिस्सा है। अमेरिका और यूरोप के बीच ऐतिहासिक रिश्तों का कमजोर होना भारत के लिए भू-राजनीति के नए विकल्प खोलता है। 2030 तक भारत के दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की संभावना है। भारत का 60 करोड़ मध्यमवर्गीय उपभोक्ताओं का बाजार अमेरिका और ईयू के कुल उपभोक्ता बाजार से भी बड़ा है। चीन में अहम तकनीकी उद्योगों से बहिष्कृत और अमेरिका में भारी टैरिफ का सामना कर रहीं यूरोपीय कंपनियों के लिए भारत का यह विशाल बाजार एक आकर्षक पेशकश करता है। हालांकि, भारतीय उपभोक्ताओं की खरीद-क्षमता अभी सीमित है, लेकिन उनकी खर्च योग्य आय अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के उपभोक्ताओं की तुलना में तेजी से बढ़ रही है। आज जब ग्रीनलैंड को लेकर अमेरिका-यूरोप का पश्चिमी गठबंधन टूट रहा है तो भारत को इस मौके का फायदा उठाते हुए 1 फरवरी को पेश होने वाले केंद्रीय बजट में कस्टम ड्यूटी में और छूट देनी चाहिए। जरूरत इस बात की है कि इस निर्णायक दौर में आर्थिक सुधारों की रफ्तार और तेज कर दी जाए। आज जब ग्रीनलैंड को लेकर अमेरिका और यूरोप का पश्चिमी गठबंधन टूट रहा है तो भारत को इस मौके का फायदा उठाना चाहिए। हम आगामी 1 फरवरी को पेश होने वाले केंद्रीय बजट में कस्टम ड्यूटी में और छूट दे सकते हैं।

सऊदी अरब और यू.ए.ई. के बीच तनाव भारत के लिए क्यों मायने रखता है?

के.पी. नायर

सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात का घनिष्ठ मित्रतापूर्ण संबंधों से प्रतिद्वंद्वी बनने का परिवर्तन नई दिल्ली के लिए सतर्कता की मांग करता है। भारत-कनाडा संबंधों में बरती गई लापरवाही या 2024 में डोनाल्ड ट्रम्प के अमरीकी राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बनने के बाद से भारत-अमरीका के बीच औपचारिकता की पूर्ण कमी को खाड़ी सहयोग परिषद (जी.सी.सी.) के सदस्य देशों में नहीं दोहराया जाना चाहिए। पिछले 10 वर्षों में भारत की कूटनीति के लिए संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब के साथ संबंधों का विस्तार एक शानदार सफलता रही है। लेकिन जैसा कि बंगलादेश ने पिछले साल दिखाया, विदेश नीति कभी स्थिर नहीं होती। पहले भारत इन नव-धनी देशों में बन रही विशाल, पैट्रोडॉलर-वित्त पोषित निर्माण परियोजनाओं, जैसे आवास से लेकर रिफाइनरियों तक, के लिए बड़ी संख्या में गैर-राजनीतिक और भरोसेमंद श्रम का स्रोत मात्र था। भारत अब एक उभरती हुई अर्थव्यवस्था है, न कि मध्य स्तर का विकासशील देश। खाड़ी देशों में तेजी से बदलती परिस्थितियों की भारत को भारी कीमत चुकानी पड़ सकती है। भारत में पहले समय की परिस्थितियां खाड़ी देशों की परिस्थितियों के अनुकूल नहीं थीं, सिवाय भारत की आयाओं, भारवाहकों, रसोइयों और चालकों (जिन्हें स्थानीय रूप से ए.बी.सी.डी. कहा जाता था) के लिए काम तलाशने के। संयुक्त अरब अमीरात में 45 लाख

भारतीय प्रवासी रहते हैं, जो अमरीका में रहने वाले मूल भारतीयों की संख्या के बाद दूसरे स्थान पर है। सऊदी अरब लगभग 28 लाख भारतीयों के साथ विश्व में तीसरे स्थान पर है। संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब मिलकर भारत में सबसे अधिक धन प्रेषण का स्रोत हैं। भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में सबसे बड़ा योगदान जी.सी.सी. देशों का है। भारत का रणनीतिक पैट्रोलियम भंडार लगभग पूरी तरह से आबू धाबी से प्राप्त कच्चे तेल से बना है। सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात के संबंधों में आई इस गंभीर गिरावट का तात्कालिक कारण यमन को लेकर दोनों देशों का अलग-अलग दृष्टिकोण है। मार्च, 2015 से दोनों देशों ने सना में विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार को बहाल करने के लिए मिलकर लड़ाई लड़ी, जिसे ईरान के समर्थन से हौथियों ने उखाड़ फैंका था। चार साल बाद, जब संयुक्त अरब अमीरात की मौतें बढने लगीं, तो उसने यमन में अपनी सैन्य उपस्थिति कम करनी शुरू कर दी। दूसरी ओर, सऊदी अरब को उतने लोगों का नुकसान नहीं हुआ क्योंकि उन्होंने हौथियों पर हमले हवाई बमबारी तक ही सीमित रखे। सहानुभूति जताते हुए, यू.ए.ई. के पूर्व राष्ट्रपति के नाम पर स्थापित खलीफा फाऊंडेशन चौरिटी ने घायल यमनी लोगों को इलाज के लिए भारतीय अस्पतालों में विमानों से भेजा। सऊदी अरब के नेतृत्व वाले कोएलिशन ऑफ द विलिंग के विघटन के बाद, संयुक्त अरब अमीरात ने अदन में एक अलगाववादी समूह-दक्षिणी संक्रमणकालीन परिषद (एस.टी.सी.). को अपना प्रतिनिधि बना लिया। सऊदी अरब एक एकीकृत यमन चाहता है, जो उसकी कानूनी सरकार के अधीन हो।पिछले सप्ताह, राष्ट्रीय राजधानी में स्थित यू.ए.ई. समध्थत एस.टी.सी. ने व्यावहारिक रूप से उस पूरे क्षेत्र पर नियंत्रण कर लिया था, जो पूर्व में दक्षिण यमन कहलाता था। सऊदी अरब के समर्थन से सना से किए गए हमलों के बाद अदन स्थित इस क्षेत्र का मुख्य हवाई अड्डा बंद कर दिया गया था। सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात सूडान को लेकर भी आमने-सामने हैं। दक्षिण सूडान गणराज्य में संयुक्त राष्ट्र मिशन (यू.एन.एम. आई.एस.एस.) में 2306 भारतीय सैनिक तैनात हैं। सूडान और दक्षिण सूडान के बीच विवादित क्षेत्र अबेई के लिए संयुक्त राष्ट्र अंतरिम सुरक्षा बल (यू.एन.आई. एस.एफ.ए.) में 506 भारतीय शांति सैनिक भी हैं। यदि सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात अपने-अपने सहयोगियों को हथियारों की आपूर्ति और वित्तीय सहायता बढ़ाते हैं, तो उन्हें खतरा होगा। ओ.एन.जी.सी. विदेश लिमिटेड ने अपनी ऊर्जा सुरक्षा रणनीति के तहत अविभाजित सूडान के तेल उद्योग में 2.3 अरब डॉलर का निवेश किया था।

यह निवेश अब दोनों सूडानों में

हरियाणा का भूजल-संकट

निस्संदेह, हरियाणा ने कृषि की उन्नति में नये मानक स्थापित किए हैं। देश की खाद्य सुरक्षा में इस राज्य के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। कृषि क्षेत्र में कारगर रणनीतियों व आधुनिक तकनीकों ने हरियाणा के किसानों के जीवन में बड़ा बदलाव किया है। लेकिन इससे इतर एक चिंताजनक स्थिति यह है कि राज्य में भूजल संकट एक खतरनाक स्तर को पार कर रहा है। बताया जा रहा है कि राज्य के तीस फीसदी से अधिक गांव भूजल संकट के खतरे की जद में हैं। विडंबना यह है कि इन क्षेत्रों में भूजल का दोहन पुनर्भरण से कहीं अधिक है। जो राज्य में चेतावनी के संकेत स्पष्ट कर रहे हैं। दरअसल, ग्लोबल वार्मिंग संकट के चलते बारिश के पैटर्न में व्यापक बदलाव आया है। जिस अनियमित बारिश को कभी मौसमी समस्या माना जाता था, वह अब एक संरचनात्मक संकट में बदल गयी है। निश्चित रूप से मानसून व बारिश की आवृत्ति में अनिश्चितता के चलते कृषि, पेयजल सुरक्षा व दार्घकालिक आर्थिक स्थिरता के लिये खतरा पैदा हो गया। बारिश की कमी की पूर्ति भूजल के अंधाधुंध दोहन से की जाती है। वैसे इस संकट के मूल में समस्या की वजह पानी की अत्यधिक खपत करने वाला विकास मॉडल भी है। पिछले दशकों में धान व गेहूं की उत्पादकता पर किसानों की निर्भरता अत्यधिक बढ़ी है। जिसमें बहुत सिंचाई की जरूरत होती है। वहीं दूसरी ओर राजनीतिक समीकरणों के चलते किसानों को लुभाने के लिये मुफ्त या रियायती बिजली का चलन भी बढ़ा है। जिससे भूजल के अंधाधुंध दोहन को बढ़ावा ही मिला है। विडंबना यह है जैसे-जैसे भूजल का स्तर गिरता है, ट्यूबवेल हर साल और गहरे खोदे जाते रहे हैं। कोशिश होती रही है कि इससे जल संकट बढ़ने से पानी की कमी पर पर्दा पड़ा रहे। यही वजह है कि इसका नकारात्मक असर आज मध्य और दक्षिण हरियाणा के बड़े क्षेत्र में दिखायी दे रहा है। जहां जलस्तर खतरनाक स्तर तक गिरता नजर आ रहा है। वहीं दूसरी ओर हरियाणा में तेजी से बढ़ रहे शहरीकरण ने जल संकट को और गहरा कर दिया है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में बहुत तेजी से हुए शहरीकरण ने भूजल का दोहन उसकी स्थायी सीमा से बहुत अधिक हद तक बढ़ाया है। इस बेलगाम भूजल दोहन पर नियामक संस्थाओं की निगरानी ना के बराबर है। वहीं एक चिंताजनक पहलू यह भी है कि तेजी से बढ़ते कंक्रीटीकरण और आर्द्र भूमि के क्षरण से भूजल का प्राकृतिक पुनर्भरण बाधित हुआ है। दूसरी ओर जलवायु परिवर्तनशीलता, अनियमित मानसून और घटते वर्षा दिवसों ने भूजल पुनर्भरण को और अधिक कम कर दिया है। जिसके चलते जलभंडारों के पुनर्जीवित होने की संभावनाएं लगभग क्षीण हो गई हैं। भूजल स्तर में गिरावट का खमियाजा किसानों को भी उठाना पड़ रहा है। खेतों के लिये सिंचाई जल उपलब्ध कराने की लागत में भी लगातार वृद्धि हो रही है। दरअसल गहरे बोरवेल के लिये अधिक बिजली और अधिक निवेश की आवश्यकता होती है। यही वजह है कि ग्रामीण पेयजल योजनाएं स्थिति से निपटने के लिये संघर्ष कर रही हैं। दूसरी ओर कम गुणवत्ता वाले जलभंडारों तक जल-दोहन की स्थिति पहुंचने से प्रदूषण का खतरा बढ़ा है। निस्संदेह, इस संकट को गंभीरता से लेने की जरूरत है। यदि इस सकंट की अनदेखी करके स्थिति को अनियंत्रित छोड़ दिया जाएगा तो इसके व्यापक नकारात्मक प्रभाव हो सकते हैं। इससे जहां एक ओर आजीविका का संकट बढ़ेगा, वहीं फसलों को लेकर अस्थिरता होगी और कालांतर जल को लेकर सामाजिक संघर्ष उत्पन्न हो सकता है। हालांकि, इस संकट के समाधान को लेकर नीतिगत उपाय मौजूद हैं, लेकिन उन्हें गंभीरता से लेने की जरूरत है। फसल विविधीकरण योजनाएं और पुनर्भरण परियोजनाएं सही दिशा में उठाये गए कदम हैं, लेकिन उनका पैमाना और कार्यान्वयन चुनौती के अनुरूप नहीं है। भूजल प्रबंधन, मांग में कमी की तुलना में आपूर्ति बढ़ाने पर अधिक केंद्रित रहा है। निश्चित रूप से हरियाणा को अपनी जल प्राथमिकताओं को तत्काल पुनर्निधारित करने की आवश्यकता है। जरूरत है कम पानी की फसलों को प्रोत्साहित करें, बिजली सब्सिडी युक्तिसंगत बने, शहरी व वाणिज्यिक उपयोग के लिये जल दोहन सख्ती से विनियमित हो व पुनर्भरण क्षेत्रों की रक्षा की जाए।

श्रीकांत की शानदार जीत, खेल परिस्थितियों पर उठे सवालों पर की बात; पीवी सिंधू पहले राउंड से बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडिया ओपन 2026 में पीवी सिंधू को पहले दौर में वियतनाम की गुयेन थुई लिन्ह से हार झेलनी पड़ी, जबकि किदांबी श्रीकांत ने जीत दर्ज कर अगले दौर में जगह बनाई। मैच के बाद श्रीकांत ने स्टेडियम की व्यवस्थाओं को लेकर उठे विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्हें खेल परिस्थितियों में कोई बड़ी कमी नजर नहीं आई। इंडिया ओपन 2026 में भारतीय बैडमिंटन को शुरूआती दौर में झटका लगा, जब दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू को राउंड-1 में निचली रैंकिंग की वियतनाम की खिलाड़ी गुयेन थुई लिन्ह के खिलाफ तीन गेम तक चले मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। इसी टूर्नामेंट में पूर्व विश्व नंबर-1 किदांबी श्रीकांत ने शानदार संघर्षपूर्ण जीत दर्ज करते हुए दूसरे दौर में जगह बनाई और साथ ही खेल परिस्थितियों को लेकर उठे विवाद पर अपनी स्पष्ट राय रखी।

वो ऐसे शख्स जो मेरे लिए बहुत जरुरी..अर्जुन से ब्रेकअप के 2 साल बाद बोलीं मलाइका अरोड़ा

मिस्ट्री मैन संग दिखने पर भी दिया जवाब

एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा एक्टर अरबाज खान से तलाक के बाद अपने से 12 साल छोटे एक्टर अर्जुन कपूर को डेट कर चुकी हैं। दोनों ने कई सालों तक एक दूसरे को डेट किया था, लेकिन फिर किसी वजह से उनका ब्रेकअप हो गया, जिसके बाद वे काफी सुर्खियों में रहे। वहीं, अब हाल ही में मलाइका ने अपने एक्स बॉयफ्रेंड अर्जुन कपूर को लेकर बात की। नम्रता जकारिया शो में अर्जुन कपूर के बारे में बात करते हुए कहा, ह्लमुझे लगता है कि गुस्सा और दुख जीवन के किसी खास पड़ाव पर आते हैं और मुझे लगता है कि हर किसी के साथ ऐसा होता है। हम इंसान हैं, हम सभी गुस्से और निराशा के दौर से गुजरते हैं। ये ह्यूमन नेचर है, लेकिन जैसे-जैसे समय बीतता है, और सबसे फेमस कहावत है, समय सब कुछ ठीक कर देता है ह्लआगे उन्होंने कहा, ये अलग नहीं है। चाहे कुछ भी हो, मुझे लगता है कि वो ऐसे शख्स हैं जो मेरे लिए बहुत जरुरी हैं। वो मेरी जिंदगी का अहम हिस्सा हैं। जो भी हो, मैं अपने पास्ट और फ्यूचर के बारे में बात करना पसंद नहीं करती। इसे लेकर काफी कुछ लिखा गया है। बहुत कुछ फैलाया गया है। ये मीडिया के लिए खबर बनाने की जगह बन गया है। मलाइका ने कहा, मेरा रिलेशनशिप हमेशा सुर्खियों में रहा है। उसे लेकर हमेशा खबरें बनी हैं। मुझे याद है कि एक समय पर मैं बोलने लगी थी कि मेरी जिंदगी पर्सनल लाइफ के अलावाभ भी है। ये सेंटर ऑफ अट्रैक्शन बन गया है। दुर्भाग्य से, लोग ये भूल जाते हैं। मैं अब जिंदगी के उस पड़ाव पर हूं, जहां मुझे कुछ भी साबित करने की जरूरत नहीं है मैं वो करना चाहती हूं जो मुझे खुश करे मैं चाहती हूं कि लोग ये देखें। मिस्ट्री मैन के साथ देखे जाने के सवाल पर मलाइका अरोड़ा ने कहा, लोगों को बातें करना पसंद है। आप किसी के साथ दिखते हैं, बाहर जाते हैं, तो ये बड़ी बात बन जाती है। मैं फिजूल की बातों को हवा नहीं देना चाहती। मैं जब भी मैं बाहर निकली हूं, चाहे वो कोई पुराना दोस्त हो, कोई गे फ्रेंड हो, शादीशुदा दोस्त हो, मैनेजर हो या कोई भी हो मेरा नाम उससे जोड़ दिया जाता है। मेरी मां मुझे फोन करके पूछती हैं, ये अब कौन है, बेटा? ये लोग किसके बारे में बात कर रहे हैं? ये फनी हो गया है।

हैप्पी पटेल में फिर दिखेगा दिल्ली बेली वाला मैडनेस, जानें मोना सिंह ने की किस तरह से तुलना

दिल्ली बेली जब रिलीज हुई थी, तब उसने अपने डार्क ह्यूमर, अनोखे किरदारों और बेझिझक ऑफ-बीट अंदाज से मेनस्ट्रीम हिंदी सिनेमा के नियम ही तोड़ दिए थे। अब सालों बाद वही बिंदास और हटके सोच हैप्पी पटेल के साथ फिर बड़े पर्दे पर लौट रही है, जो उसी पागलपन और बेपरवाह माहौल को आज के टाइम

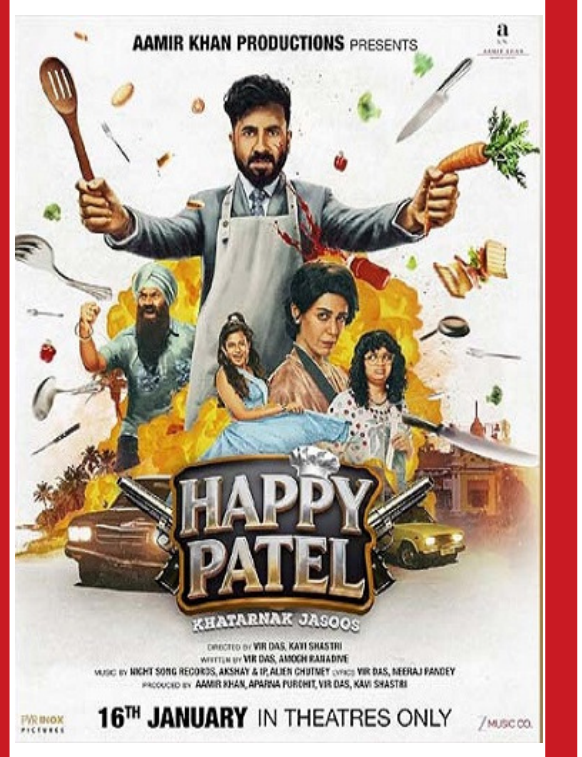

के ट्विस्ट के साथ लाने वाली है। मोना सिंह, जिन्होंने मेनस्ट्रीम और एक्सपेरिमेंटल दोनों तरह की स्टोरीटेलिंग में काम किया है, कल्ट क्लासिक दिल्ली बेली और आने वाली फिल्म के बीच सीधा कनेक्शन देखती हैं। अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए मोना ने कहा कि दिल्ली बेली को आइकॉनिक बनाने वाली वही स्पिरिट हैप्पी पटेल में भी गहराई से मौजूद है। दिल्ली बेली को मिले रिएक्शन्स याद करते हुए मोना ने कहा,दिल्ली बेली के लिए लोग जो-जो शब्द इस्तेमाल करते थे, वही सारे शब्द हैप्पी पटेल पर भी बिल्कुल फिट बैठते हैं, डार्क है, क्विर्की है, ऑफ-बीट है, सब कुछ है। और मुझे इस मैड, क्रेजी यूनिवर्स का हिस्सा बनकर सच में बहुत मजा आया। उनकी बातें साफ इशारा करती हैं कि दर्शक हैप्पी पटेल से क्या उम्मीद कर सकते हैं, एक ऐसी फिल्म जो बेझिझक पागलपन अपनाती है, हटके ह्यूमर दिखाती है और ऐसे किरदारों को सामने लाती है जो हमेशा एज पर रहते हैं। बिल्कुल दिल्ली बेली की तरह, यह फिल्म अपने बेखौफ अंदाज और अनप्रेडिक्टेबल कहानी पर चलती है, जो इसे फॉर्मूला वाली फिल्मों से अलग और ताजा बनाती है।आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी हैप्पी पटेलरू खतरनाक जासूस का निर्देशन वीर दास ने किया है। फिल्म में वीर दास के साथ मोना सिंह, शारिब हाशमी और मिथिला पालकर अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म 16 जनवरी 2026 को थिएटर्स में रिलीज होने वाली है।

जबरा फैन ने रजनीकांत के मंदिर में खास अंदाज में मनाया पोंगल

परिवार के साथ की विधिवत पूजा

आज 14 जनवरी को देशभर में मकर संक्रांति और कई राज्यों खासकर साउथ इंडिया में पोंगल का त्योहार मनाया जा रहा है। इस मौके पर लोग भगवान सूर्य को धन्यवाद देते हैं और नई फसल के स्वागत में विशेष पूजा-अर्चना

करते हैं। इसी बीच सोशल मीडिया पर पोंगल के जश्न से जुड़ी एक दिलचस्प तस्वीर वायरल हो रही है, जिसमें सुपरस्टार रजनीकांत का एक फैन ने बेहद खास अंदाज में पोंगल का त्योहार मनाता नजर आ रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस फैन ने अपने घर में रजनीकांत के लिए एक छोटा सा मंदिर बना रखा है। पोंगल के शुभ अवसर पर उन्होंने अपने पूरे परिवार के साथ इस मंदिर में विधिवत पूजा की। परिवार के सदस्यों ने पारंपरिक तरीके से थलाइवा के मंदिर में दीप जलाए, फूल चढ़ाए और पोंगल प्रसाद अर्पित किया फैन का कहना है कि रजनीकांत सिर्फ एक एक्टर नहीं, बल्कि उनके लिए प्रेरणा और आस्था का प्रतीक हैं। इसलिए हर खास त्योहार पर वह अपने थलाइवा के मंदिर में पूजा करना नहीं भूलते। पोंगल जैसे पावन पर्व पर भी उन्होंने रजनीकांत के मंदिर में पूजा कर अपनी श्रद्धा जाहिर की। इस अनोखे जश्न की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। लोग फैन की भक्ति और रजनीकांत के प्रति उनके जुनून की जमकर तारीफ कर रहे हैं। यह पहली बार नहीं है जब रजनीकांत के फैंस की दीवानगी सामने आई हो, लेकिन पोंगल के मौके पर घर में बने मंदिर में पूजा करने का यह अंदाज हर किसी का ध्यान खींच रहा है।

एनिवर्सरी पर गिफ्ट के तौर पर मिला तलाक का नोटिस, रात 1 बजे देश छोड़ने को हुई मजबूर

सेलिना जेटली ने बयां किया दर्द

एक्ट्रेस सेलिना जेटली अपनी निजी जिंदगी में काफी मुश्किल दौर से गुजर रही हैं। तीन बच्चों की मां सेलिना ने पिछले दिनों पति पीटर हाग पर घरेलू हिंसा के गंभीर आरोप लगाए थे और तलाक की मांग की थी। वही, अब हाल ही में एक्ट्रेस ने खुलासा किया कि साल 2025 में उनकी 15वीं वेडिंग एनिवर्सरी पर उन्हें गिफ्ट के तौर पर तलाक का नोटिस मिला। इसके साथ ही सेलिना ने बताया कि किस तरह उन्हें मानसिक और भावनात्मक उत्पीड़न का सामना करना पड़ा और हालात ऐसे बन गए कि उन्हें अपने बच्चों से अलग होना पड़ा। हाल ही में सेलिना जेटली ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक इमोशनल पोस्ट करते हुए बताया कि दुर्व्यवहार और उत्पीड़न से बचने के लिए उन्होंने 11 अक्टूबर 2025 की रात को ऑस्ट्रिया छोड़ दिया था। इस फैसले के साथ ही उन्हें अपने तीन बच्चों से अलग होना पड़ा, जिससे उनका दिल टूट गया। एक्ट्रेस ने लिखा, जिस दिन मैंने अपनी इज्जत, अपने बच्चों और अपने भाई की रक्षा के लिए ऑस्ट्रिया छोड़ने का फैसला किया, उसी दिन मैंने अपने बच्चों को खो दिया। यह पोस्ट उन सभी लोगों के लिए है जो अपमानजनक शादियों से गुजर रहे हैं। वे अकेले नहीं हैं। सेलिना ने बताया कि रात 1 बजे पड़ोसियों की मदद से वे ऑस्ट्रिया से निकलीं और बहुत कम पैसे के साथ भारत लौटीं। भारत पहुंचकर उन्हें अपने ही घर में प्रवेश के लिए कोर्ट जाना पड़ा। यह प्रॉपर्टी उन्होंने साल 2004 में शादी से पहले खरीदी थी, लेकिन अब उनके पति इसे अपना बता रहे हैं। इस लड़ाई के लिए उन्हें बड़ा लोन भी लेना पड़ा। ज्वाइंट कस्टडी और ऑस्ट्रियाई फैमिली कोर्ट के मौजूदा आदेश के बावजूद, उन्हें अभी तक अपने बच्चों से बात करने की इजाजत नहीं मिली है। सेलिना का कहना है कि ज्वाइंट कस्टडी और ऑस्ट्रियाई फैमिली कोर्ट के आदेश के बावजूद उन्हें अब तक अपने बच्चों से बात करने या मिलने की अनुमति नहीं दी गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि बच्चों को उनसे दूर रखने की लगातार कोशिश की गई। एक्ट्रेस के मुताबिक, मीडिया में चुनिंदा कहानियां फैलाकर बच्चों और मां के बीच बातचीत में रुकावट डाली गई। उन्होंने यह भी कहा कि बच्चों को उनके खिलाफ भड़काया गया और डराया गया। सेलिना ने याद दिलाया कि वह बच्चों की पैदाइश से लेकर उनकी परवरिश तक की मुख्य जिम्मेदार रही हैं और पति के करियर को सपोर्ट करने के लिए एक देश से दूसरे देश जाती रहीं। सेलिना जेटली ने यह भी खुलासा किया कि साल 2025 में उनकी 15वीं वेडिंग एनिवर्सरी पर उन्हें गिफ्ट के तौर पर तलाक का नोटिस मिला। इसके बाद उन्होंने कई बार आपसी सहमति से अलग होने की कोशिश की, ताकि बच्चों पर इसका असर कम पड़े। लेकिन हर बार उनसे उनकी शादी से पहले की संपत्ति की मांग की गई और ऐसी शर्तें रखी गईं, जिनसे उनकी आजादी और सम्मान पर सवाल खड़े हो गए। अपनी पोस्ट के अंत में सेलिना ने लिखा कि एक ही पल में उनकी पूरी दुनिया उनसे छीन ली गई। उन्हें अचानक खुद को एक मां के तौर पर साबित करना पड़ा, जबकि वह पहले से ही अपने बच्चों के लिए सब कुछ कर चुकी थीं। सेलिना की यह पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है और कई लोग उनके साहस की सराहना करते हुए उन्हें समर्थन दे रहे हैं।

'अवतार- फायर एंड ऐश' की एक्ट्रेस बनीं सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हॉलीवुड अभिनेत्री, इस एक्ट्रेस को छोड़ा पीछे

हॉलीवुड फिल्म 'अवतारः फायर एंड ऐश' में अहम किरदार निभाने वाली अभिनेत्री जोई सल्डाना हॉलीवुड में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली अभिनेत्री बन गई हैं। अभिनेत्री जोई सल्डाना हॉलीवुड में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली अभिनेत्री बन गई हैं। यह कामयाबी उन्हें उनकी फिल्म 'अवतारः फायर एंड ऐश'

की बॉक्स ऑफिस पर सफलता के बाद मिली है। बॉक्स ऑफिस ट्रैकिंग वेबसाइट 'नंबर्स', के मुताबिक सल्डाना ने 33 फिल्मों से 15.46 बिलियन अमेरिकी डॉलर कमाए हैं। यानी हर फिल्म से उनकी लगभग 469 मिलियन अमेरिकी डॉलर की कमाई हुई है। जोई साल्डाना ने जीता ऑस्कर अवॉर्ड जोई साल्डाना ने 2025 में फिल्म 'एमिलिया पेरेज' में अपनी परफॉर्मेंस के लिए अपना पहला ऑस्कर जीता। हाल ही में उन्होंने कई फिल्मों में काम किया है, जिससे उन्हें यह रिकॉर्ड बनाने में मदद मिली है। उनकी कामयाब फिल्मों में अवतार (2009), अवतारः द वे ऑफ वॉटर (2022), और एवेंजर्सः इन्फिनिटी वॉर (2018) शामिल हैं। दूसरे नंबर पर स्कारलेट जोहानसन इस लिस्ट में अभिनेत्री स्कारलेट जोहानसन दूसरे नंबर पर हैं। उन्होंने 36 फिल्मों से 15.40 बिलियन अमेरिकी डॉलर कमाए हैं। पिछले साल, 'जुरासिक वर्ल्ड रीबर्थ' के दुनिया भर में 869 मिलियन अमेरिकी डॉलर कमाने के बाद स्कारलेट जोहानसन टॉप पर पहुंच गई थीं। यह एक्ट्रेस कई मार्वल फिल्मों में भी नजर आ चुकी हैं। लिस्ट में तीसरे नंबर पर सैमुअल एल जैक्सन हैं। टॉप 10 में शामिल दूसरे सितारों में रॉबर्ट डाउनी जूनियर, क्रिस प्रैट, टॉम क्रूज, क्रिस हेम्सवर्थ, विन डीजल, क्रिस इवांस और ड्वेन जॉनसन शामिल हैं। कामयाबी पर क्या बोलीं जोई सल्डाना अपनी कामयाबी पर प्रतिक्रिया देते हुए सल्डाना ने मंगलवार शाम को सोशल मीडिया पर एक वीडियो मैसेज पोस्ट किया। इसमें उन्होंने दुनिया भर के फिल्ममेकर्स और फैन्स को उनके सपोर्ट के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा 'मैं इस शानदार सफर के लिए दिल से शुक्रिया अदा करना चाहती हूं, जिसकी वजह से आज मैं अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म एक्ट्रेस बन गई हूं।'

निक्की ने बांटी चिक्की, सुनीता आहूजा ने दिए गिफ्ट और पतंग उड़ाते दिखे शेखर सुमन

आज बुधवार 14 जनवरी को मकर संक्रांति का पर्व मनाया जा रहा है। बॉलीवुड में भी इस अवसर पर खूब रौनक है। सितारों ने अलग-अलग अंदाज में यह त्योहार सेलिब्रेट किया है। आज देश में दान-पुण्य का त्योहार मकर संक्रांति मनाया जा रहा है। इस अवसर पर तिल, गुड़, मूंगफली, खिचड़ी आदि खाने और दान करने की परंपरा है। इसके अलावा देश के कुछ हिस्सों में पोंगल का त्योहार मनाया जा रहा है। इस अवसर पर फिल्म जगत में भी खुशियां देखी जा रही हैं। किसी ने गजक बांटकर खुशियां मनाईं तो कोई पतंगबाजी करता दिखा। गोविंदा की पत्नी ने बांटे गिफ्ट मकर संक्रांति पर दान करने की परंपरा है। माना जाता है कि इससे पुण्य मिलता है। आज बुधवार को त्योहार पर एक्टर गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा ने तोहफे वितरित किए। उन्होंने गरीबों के बीच जाकर गिफ्ट बांटे। सुनीता आहूजा का वीडियो वायरल हो रहा है। निक्की तंबोली ने बांटीं चिक्की मॉडल और अभिनेत्री निक्की तंबोली ने मकर संक्रांति पर लोगों के बीच जाकर तिल की चिक्की बांटी। उन्होंने पैपराजी को भी चिक्की खिलाई। सोशल मीडिया पर उनका वीडियो सामने आया है, जिसमें वे मकर संक्रांति की शुभकामनाएं देती दिख रही हैं। बचपन की यादों में खोए शेखर सुमन अभिनेता शेखर सुमन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक वीडियो शेयर किया है। इसमें वे पतंग उड़ाने की तैयारी करते दिख रहे हैं। इस दौरान अभिनेता बचपन की यादों में खो गए। वीडियो में वे कहते दिख रहे हैं, 'मकर संक्रांति पर बचपन की सारी यादें, जब हम बिहार में पतंग उड़ाया करते थे।' वे इस दौरान पतंग उड़ाने की कुछ तरकीब बताते दिख रहे हैं। सुनील शेट्टी ने बेटे अहान के साथ शेयर किया वीडियो अभिनेता सुनील शेट्टी ने मंकर संक्रांति की शुभकामनाएं देते हुए अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें वे अपने बेटे अहान शेट्टी के साथ नजर आ रहे हैं। एक्टर ने कैप्शन लिखा है, 'वक्त के साथ पतंग बदलती है, पर विरासत की डोर हर उड़ान को ताकत देती है। पतंग और डोर-अलग सही, पर हमेशा जुड़े हुए। मकर संक्रांति की शुभकामनाएं'। बता दें कि अहान जल्द ही फिल्म 'बॉर्डर 2' में नजर आएंगे।

लाल निशान पर बंद हुआ शेयर बाजार; सेंसेक्स 245 अंक टूटा, निफ्टी 25700 के नीचे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय शेयर बाजार बुधवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 244.98 अंक गिरकर 83,382.71 अंक पर बंद हुआ। वहीं, एनएसई निफ्टी 66.70 अंक गिरकर 25,665.60 अंक पर बंद हुआ। भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने के बीच आईटी, उपभोग और चुनिंदा बैंकिंग ब्लू-चिप शेयरों में कमजोरी के कारण बुधवार को इक्विटी बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में पिछले दिन की गिरावट जारी रही। इसके अलावा, व्यापारियों ने कहा कि विदेशी निधियों की लगातार निकासी और टैरिफ से संबंधित नई अनिश्चितताओं ने भी निवेशकों को परेशान कर दिया है। बुधवार को रुपया शुरूआती बढ़त गंवा बैठा और अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 6 पैसे गिरकर 90.29 (अस्थायी) पर बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 244.98 अंक या 0.29 प्रतिशत गिरकर 83,382.71 पर बंद हुआ। दिन के दौरान यह 442.49 अंक या 0.52 प्रतिशत गिरकर 83,185.20 पर पहुंच गया था। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 66.70 अंक या 0.26 प्रतिशत गिरकर 25,665.60 पर आ गया।

अमेरिका के बाद इस्राइल ने भी यूएन की कई एजेंसियों से तोड़ा नाता

अपने इस फैसले की जानिए क्या वजह बताई

तेल अवीव (एजेंसी)। अमेरिका के बाद इस्राइल ने भी संयुक्त राष्ट्र के कई संगठनों से हटने का एलान कर दिया है। इस्राइली विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर इस फैसले की वजह भी बताई। इस्राइल के इस फैसले के बाद अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में बड़े बदलाव के संकेत मिल रहे हैं'। अमेरिका के बाद इस्राइल ने भी खुद को संयुक्त राष्ट्र की कई एजेंसियों से अलग कर लिया है। इस्राइल ने अपने इस कदम की वजह बताते हुए कहा कि ये एजेंसियां लगातार उसके प्रति पक्षपात कर रहीं थीं और राजनीति कर रहीं थीं। बीते हफ्ते अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी 66 अंतरराष्ट्रीय संगठनों और संधियों से अमेरिका को अलग कर लिया था। इनमें से आधे संगठन संयुक्त राष्ट्र के थे। ट्रंप ने आरोप लगाया कि ये एजेंसियां अमेरिका के हितों के खिलाफ काम कर रही हैं। इस्राइली विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर क्या कहा? इस्राइल के विदेश विभाग ने एक बयान जारी कर कहा, 'अमेरिका के संयुक्त राष्ट्र के कई संगठनों से हटने के बाद हमने भी समीक्षा की। जिसके बाद इस्राइल के विदेश मंत्री गिदोन सार ने तय किया कि इस्राइल तुरंत प्रभाव से संयुक्त राष्ट्र और कई अंतरराष्ट्रीय संगठनों से अपने नाते तोड़ रहा है। साथ ही विदेश मंत्री ने मंत्रालय को निर्देश दिया है कि अन्य एजेंसियों के साथ ही संबंधों की समीक्षा की जा रही है और विचार-विमर्श के बाद आगे का फैसला लिया जाएगा।' इन संगठनों से इस्राइल ने तोड़ा नाता इस्राइल ने यूएन के जिन संगठनों से नाता तोड़ा है, उनमें चिल्ड्रन एंड आर्म्ड कॉन्फ्लिक्ट ऑफिस, यूएन वुमन, यूएन कॉन्फ्रेंस ऑन ट्रेड एंड डेवलेपमेंट, यूएन इकॉनोमिक एंड सोशल कमीशन फॉर वेस्टर्न एशिया, यूएन अलायंस ऑफ सिविलाइजेशन, यूएन एनर्जी और माइग्रेशन एंड डेवलेपमेंट ग्लोबल फोरम जैसे संगठन शामिल हैं। इस्राइल सरकार ने बताया कि चिल्ड्रन एंड आर्म्ड कॉन्फ्लिक्ट ने इस्राइली सेना को, हमास, फलस्तीन के साथ काली सूची में डाला हुआ है। ऐसे में इस्राइल ने इस संगठन से हटने का फैसला किया है। इस्राइल ने जून 2024 में इस संगठन से रिश्ते तोड़े हुए थे और अब आधिकारिक रूप से इस संगठन से हटने का एलान कर दिया है। यूएन वुमन संगठन द्वारा इस्राइली महिलाओं के साथ हमास द्वारा किए गए यौन शोषण को नजरअंदाज करने के चलते इस्राइल की सरकार ने इस संगठन से हटने का तय किया है।

नई इस्राइली फिल्म निर्भया कांड की रैलियों से प्रेरित; निमार्ता बोले- उस समय भारत की यात्रा पर था

तेल अवीव (एजेंसी)। निर्भया कांड के बाद देशभर में उठे जनआक्रोश ने अब अंतरराष्ट्रीय सिनेमा को भी प्रभावित किया है। इस्राइली फिल्म निमार्ता डैन वोलमैन की नई फिल्म भारत की उस त्रासदी और उसके खिलाफ हुए प्रदर्शनों से प्रेरित है। आइए जानते हैं फिल्म निमार्ता ने इस पर क्या कुछ कहा। इस्राइली फिल्म निमार्ता डैन वोलमैन ने नई फिल्म मर्डर्स टू क्लोज, लव टू फार में भारतीय फिल्म निमार्ता मंजू बोरा के साथ मिलकर 2012 में हुए निर्भया दुष्कर्म और उसकी हत्या के घटनाक्रम पर बनाई है। वोलमैन ने कहा, वह जब 2012 में भारत यात्रा पर आए, तब दिल्ली में एक फिजियोथेरेपी इंटर्न (निर्भया) के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म के विरोध में व्यापक प्रदर्शन हो रहे थे।

फिल्म की प्रेरणा उन्हें वहीं से मिली। फ्लोच, माई माइकल, ऐन इस्राइली लव स्टोरी और वैली ऑफ स्ट्रेंथ जैसी फिल्मों के लिए मशहूर वोलमैन ने मंजू बोरा के साथ मिलकर इस मर्डर मिस्ट्री का सह-निर्देशन किया है। यह ऐसी पहली फिल्म है जिसका सह-निर्माण भारत और इस्राइली फिल्मकारों ने किया है। इसे 24वें पुणे अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (पीआईएफएफ) में प्रदर्शित किया जाएगा। वोलमैन ने कहा, निर्भया कांड भयावह घटना थी। फिल्म की शूटिंग भारत में हुई वोलमैन ने कहा, फिल्म की शूटिंग भारत में हुई है और इसमें यौन उत्पीड़न, हिंसा, भ्रष्टाचार, समूह के व्यवहार, गिरोह और भीड़ की मानसिकता जैसे विषयों को उठाया गया है। वह बोले, ये मुद्दे इस्राइल में भी उतने ही आम हैं जितने दुनिया के अन्य हिस्सों में। मैंने अमेरिका, यूरोप, अफ्रीका और चीन में फिल्में बनाई हैं और सभी मिलती-जुलती कहानियों, मुद्दों और समस्याओं का सामना करते हैं। फिल्म की पूरी शूटिंग भारत में की गई है। कहानी वास्तविक सामाजिक मुद्दों से प्रेरित है। फिल्म में यौन उत्पीड़न जैसे गंभीर विषय को उठाया गया है। हिंसा को समाज की एक बड़ी समस्या के रूप में दिखाया गया है। भ्रष्टाचार की भूमिका को कहानी का अहम हिस्सा बनाया गया है। समूह के व्यवहार और लोगों के सामूहिक फैसलों पर फोकस किया गया है।

अग्निकांड के बाद भवन रखरखाव-सुरक्षा कानूनों में बदलाव की पहल

उल्लंघन-दोषियों पर होगी कड़ी कार्रवाई

हांगकांग (एजेंसी)। हांगकांग में आग त्रासदी के बाद सरकार ने बड़े बदलाव की तैयारी की है। भ्रष्टाचार रोकने और इमारतों को सुरक्षित बनाने के लिए नए और सख्त नियम लाए जा रहे हैं। प्रशासन ने भ्रष्टाचार, लापरवाही और निगरानी की कमियों पर कार्रवाई का भरोसा दिलाया है, ताकि भविष्य में ऐसी त्रासदियों को रोका जा सके। हांगकांग में हुई आग त्रासदी के बाद अधिकारियों ने बुधवार को इमारतों की मरम्मत और आग से सुरक्षा के लिए कड़े कदम उठाने का प्रस्ताव दिया है। यह फैसला नवंबर में लगी भीषण आग के बाद लिया गया है। उस हादसे में कम से कम 161 लोगों की जान गई थी और हजारों लोग बेघर हो गए थे।

एक अपार्टमेंट कॉम्प्लेक्स के सात टावरों में फैली इस आग ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। इमारतों की मरम्मत में भ्रष्टाचार, लापरवाही और सरकारी निगरानी में कमी की बात सामने आई है। इससे हांगकांग के नेता जॉन ली और बीजिंग की शासन प्रणाली पर दबाव बढ़ गया है। दोषियों पर होगी सख्त कार्रवाई नई चुनी गई विधायिका की पहली बैठक में जॉन ली ने कहा कि इस घटना ने सुधार की जरूरत को उजागर किया है। उन्होंने वादा किया कि पुलिस और एक जज की अध्यक्षता वाली स्वतंत्र समिति इसकी पूरी जांच करेगी। ली ने कहा, 'हम निष्पक्ष रूप से जवाबदेही तय करेंगे। तथ्यों के आधार पर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई होगी। चाहे वे सरकार के अंदर हों या बाहर, जूनियर हों या सीनियर, किसी को बख्शा नहीं जाएगा।' भ्रष्टाचार रोकने के लिए नया प्लान इसके साथ ही बोली में धांधली रोकने के लिए प्रशासन ने नया तरीका सुझाया है। अब 'अर्बन रिन्यूअल अथॉरिटी' घर मालिकों को ठेकेदार चुनने में मदद करेगी। अधिकारियों ने सलाहकारों और ठेकेदारों की एक लिस्ट बनाने की योजना बनाई है। यह लिस्ट उनके काम की जांच और पुराने रिकॉर्ड के आधार पर बनेगी। अथॉरिटी घर मालिकों को टेंडर और बोली लगाने की प्रक्रिया में भी मदद करेगी। सुरक्षा के लिए नए नियम सरकार ने बड़े मरम्मत कामों की निगरानी के लिए किसी तीसरे पक्ष के पेशेवर को रखना जरूरी बताया है। आग बुझाने वाले उपकरणों को बंद करने से पहले फायर डिपार्टमेंट की मंजूरी लेनी होगी। साथ ही, किसी भी निर्माण स्थल पर धूम्रपान पर पूरी तरह रोक लगाने का सुझाव दिया गया है। धूम्रपान पर रोक से जुड़े कानून में बदलाव के प्रस्ताव अगले कुछ हफ्तों में समीक्षा के लिए पेश किए जाएंगे। अधिकारी अभी अन्य सुझावों पर अर्बन रिन्यूअल अथॉरिटी के साथ चर्चा कर रहे हैं। घटिया सामग्री बनी आग का कारण अधिकारियों ने बताया कि वांग फुक कोर्ट अपार्टमेंट में मरम्मत के दौरान घटिया जाली और फोम बोर्ड का इस्तेमाल हुआ था। यही नवंबर में लगी आग का कारण बना। उन्होंने यह भी माना कि कुछ फायर अलार्म जांच के समय काम नहीं कर रहे थे। राजनीतिक विश्लेषकों को चिंता है कि यह त्रासदी हांगकांग में सिर्फ एक शुरूआत हो सकती है। ऊंची इमारतों वाले इस शहर में बोली में धांधली और खराब सामग्री के इस्तेमाल का शक है। लोगों को डर है कि ऐसी आपदा दोबारा हो सकती है।

स्पेन में 150 वर्षों में पहली बार कोई महारानी करेगी राज, जानिए कौन हैं 20 साल की राजकुमारी लियोनोर

मैड्रिड (एजेंसी)। स्पेन की 20 वर्षीय राजकुमारी लियोनोर, देश की अगली महारानी बनेंगी। किंग फेलिप और रानी लेटिजिया की बड़ी बेटी राजकुमारी लियोनोर एक प्रशिक्षित पायलट हैं और कई भाषाओं की जानकार हैं। स्पेन में 150 वर्षों के बाद किसी महारानी का राज होगा। स्पेन में एक इतिहास रचने की तैयारी हो रही है। दरअसल 150 वर्षों में पहली बार वहां एक महारानी का राज होगा। स्पेन के राजा किंग फेलिप छठे और रानी लेटीजिया की 20 साल की बेटी राजकुमारी लियोनोर स्पेन की पहली रानी बनेंगी। इससे पहले 1800 सदी में इसाबेला द्वितीय स्पेन की महारानी बनीं थीं। कौन हैं प्रिंसेस लियोनोर 20 साल की राजकुमारी प्रिंसेस लियोनोर, स्पेन के राजा किंग फेलिप छठे और रानी लेटीजिया की बड़ी बेटी हैं। स्पेनिश राजशाही पर 1700 के दशक की शुरूआत से बॉर्बन राजवंश का कब्जा रहा है। बॉर्बन राजवंश ने उत्तराधिकारी की लड़ाई में हैब्सबर्ग्स को हराया था। जनरल फ्रेंको की तानाशाही खत्म होने के बाद साल 1975 में किंग जुआन कार्लोस प्रथम के साथ स्पेन में फिर से राजशाही बहाल हुई। किंग जुआन कार्लोस प्रथम ने स्पेन में लोकतंत्र में बदलने में अहम भूमिका निभाई। साल 2014 में किंग कार्लोस ने गद्दी छोड़ दी और सिंहासन अपने बेटे फेलिप को सौंप दिया। अब किंग फेलिप के बाद राजकुमारी लियोनोर स्पेन की सत्ता संभालेंगी। राजकुमारी लियोनोर ने वेल्स के अटलांटिक कॉलेज से उच्च शिक्षा हासिल की है।

युगांडा में राष्ट्रपति चुनाव से पहले इंटरनेट बंद, सड़कों पर सैनिक; निष्पक्ष मतदान बड़ी चुनौती

कंपाला (एजेंसी)। युगांडा में राष्ट्रपति चुनाव से पहले इंटरनेट पर पाबंदी लगाई जा चुकी है। इसी के साथ जनता को सड़कों पर सैनिक का समना करना पड़ रहा है। ऐसे में अफ्रीकी देश के अंदर निष्पक्ष मतदान बड़ी चुनौती बनता नजर आ रहा है। अफ्रीकी देश युगांडा में राष्ट्रपति चुनाव होने जा रहे हैं, लेकिन निष्पक्ष मतदान एक बड़ी चुनौती बनती नजर आ रही है। ऐसा इसलिए क्योंकि गुरुवार (15 जनवरी) को होने वाले मतदान से पहले इंटरनेट पर पाबंदी लगा दी गई है। इसी के साथ सड़कों पर जनता को सैनिकों का सामना करना पड़ रहा है। जिससे विपक्ष की चिंताएं बढ़ती नजर आ रही है। इस चुनाव में विपक्षी नेता बॉबी वाइन और राष्ट्रपति योवेरी मुसेवेनी एक बार फिर आमने-सामने है। युगांडा के लोग राष्ट्रपति चुनाव में मतदान करने के लिए तैयार हैं, जिससे संभवतः लंबे समय से सत्ता में काबिज राष्ट्रपति का कार्यकाल बढ़ेगा, जबकि पारदर्शिता, वंशानुगत शासन, सैन्य हस्तक्षेप और मतदान केंद्रों पर वोटों में हेराफेरी को रोकने के लिए विपक्ष की रणनीति को लेकर चिंताएं बढ़ेंगी। 1986 से सत्ता में काबिज राष्ट्रपति योवेरी मुसेवेनी सातवें कार्यकाल की तलाश में हैं, जिससे वे सत्ता में पांच दशक पूरे करने के करीब पहुंच जाएंगे। लेकिन उन्हें संगीतकार से राजनेता बने 43 वर्षीय बॉबी वाइन से कड़ी चुनौती मिल रही है, जो राजनीतिक परिवर्तन की चाह रखने वालों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

'ग्रीनलैंड के पीएम के लिए दिक्कत बढ़ने वाली है', डेनमार्क के साथ तनाव के बीच डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा बयान

वॉशिंगटन (एजेंसी)। इस विशाल द्वीप पर कब्जा करने या इसे अलग होने के लिए मजबूर करने का अमेरिकी प्रयास ट्रांसअटलांटिक गठबंधन को तोड़ देगा, जो द्वितीय विश्व युद्ध के बाद की सुरक्षा का एक मुख्य आधार रहा है। डोनाल्ड ट्रंप ने द्वीप पर अमेरिकी कब्जे की मांग तेज कर दी है। उन्होंने बार-बार कहा है कि वह ग्रीनलैंड को हासिल करने के लिए सैन्य बल सहित कई विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार ग्रीनलैंड को अमेरिकी नियंत्रण में लाने को लेकर बयान दे रहे हैं। वहीं, ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री ने डेनमार्क के साथ रहने की प्राथमिकता पर जोर दिया। इस पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, 'खैर, यह उनकी समस्या है। मैं उनसे असहमत हूं। मैं उन्हें नहीं जानता। उनके बारे में मुझे कुछ भी नहीं पता। लेकिन यह उनके लिए एक बड़ी समस्या बनने वाली है।' वहीं, डेनमार्क और ग्रीनलैंड के नेताओं ने राष्ट्रपति ट्रंप के उस आह्वान के खिलाफ एकजुट होकर विरोध जताया है जिसमें उन्होंने अमेरिका से इस रणनीतिक आर्कटिक द्वीप को अपने कब्जे में लेने की बात कही है। डेनमार्क और ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्रियों ने मंगलवार को शायद अब तक की अपनी सबसे तीखी

प्रतिक्रिया में इस बात पर जोर दिया कि यह क्षेत्र डेनमार्क का हिस्सा है और नाटो सैन्य गठबंधन के दायरे में आता है। व्हाइट हाउस में आज मिलेंगे डेनमार्क-ग्रीनलैंड और अमेरिका के प्रमुख नेता डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन और ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री जेन्स-फ्रेडरिक नीलसन ने अपनी एकजुटता पर जोर देने की कोशिश की। वहीं उनके विदेश मंत्री, डेनमार्क के लार्स लोके रासमुसेन और ग्रीनलैंड की विवियन मोट्जफेल्ड बुधवार को व्हाइट हाउस में उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और विदेश मंत्री मार्को रुबियो के साथ वार्ता की तैयारी कर रहे थे। 'हम डेनमार्क को ही चुनेंगे' :ग्रीनलैंड के पीएम कोपेनहेगन में एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान फ्रेडरिकसेन ने कहा, 'प्रिय ग्रीनलैंडवासियों, आपको यह जानना चाहिए कि हम आज एक साथ खड़े हैं, हम कल भी एक साथ खड़े रहेंगे और हम ऐसा करना जारी रखेंगे।' वहीं, नीलसन ने कहा, 'अगर हमें अभी और यहीं अमेरिका और डेनमार्क के बीच चुनना पड़े, तो हम डेनमार्क को चुनेंगे। हम नाटो को चुनेंगे। हम डेनमार्क साम्राज्य को चुनेंगे। हम यूरोपीय संघ को चुनेंगे।' ग्रीनलैंड बोला- हमारा देश बिकने को तैयार नहीं इस सप्ताह की शुरूआत में ट्रंप ने अपने इस तर्क को दोहराया कि अमेरिका को ग्रीनलैंड पर कब्जा करना होगा, वरना रूस या चीन इसे हासिल कर लेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि वे इस क्षेत्र के लिए समझौता करना पसंद करेंगे, लेकिन किसी भी तरह से ग्रीनलैंड हमें मिलेगा। डेनमार्क के अधिकारियों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वे ग्रीनलैंड में अमेरिकी सेना के साथ सहयोग बढ़ाने के लिए तैयार हैं, लेकिन उन्होंने बार-बार कहा है कि यह क्षेत्र बिक्री के लिए नहीं है।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्यों के लिए "खुली" निविदा वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर/सा., पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से आमंत्रित की जाती है:

निविदा सं. : वमंविइ-लजं.-को.-08-2025, **कार्य का विवरण :** एलएचबी ट्रेनों की पेंट्री कार में लगे इलेक्ट्रिकल पेंट्री उपकरणों और लखनऊ (LJN) डिवीजन के ऐशबाग/गोमतीनगर और गोरखपुर डिपो में तेजस एक्सप्रेस और वंदे भारत एक्सप्रेस के मिनी पेंट्री उपकरणों का 02 वर्ष की अवधि के लिए कंपरिहेंसिव अनुरक्षर का कार्य, **अनुमानित लागत:** रु.2,25,85,271.33, **बयाना राशि :** रु. 2,62,900.00, **निविदा मूल्य :** रु. 00.00, **कार्य सम्पादन की अवधि :** 24 माह, **उक्त निविदा बंद होने की अंतिम तिथि व समय :** 04.02.2026 को 15.00 बजे।

नोट :- इस निविदा के विरूद्ध मैनुअल आफर स्वीकार नहीं किया जायेगा। ऐसे प्राप्त मैनुअल आफर को उपेक्षित कर दिया जायेगा। विस्तृत विवरण व निविदा जमा करने हेतु, कृपया भारतीय रेलवे की वेबसाइट http://www.ireps.gov.in को देखें। निविदाकार ई-निविदा प्रपत्र को अपलोड करने से पूर्व इस ई-निविदा सूचना से सम्बन्धित शुद्धि पत्र (यदि कोई हो) को वेबसाइट पर संज्ञान में लेना सुनिश्चित करें।

वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर/सामान्य, मुजाधि/विद्युत-253 **पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ**

टेनों में ज्वलनशील पदार्थ लेकर यात्रा न करें

उत्तर रेलवे

लखनऊ मण्डल उत्तर रेलवे के स्टेशनों के स्टेशन परिसर के आउट साइड में आरक्षित/ अनारक्षित रेल टिकट बिक्री हेतु 'यात्री टिकट सुविधा केन्द्र' (YTSK) निजी भागीदारी (Private Participation) के आधार पर स्थापित एवं परिचालित करने हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित करने के लिये अधिसूचना।

भारत सरकार के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक, उत्तर रेलवे, लखनऊ मण्डल के अन्तर्गत विभिन्न NSG–1 श्रेणी के वाराणसी स्टेशन के आउट साइड में 07 लोकेशनों पर आरक्षित/ अनारक्षित रेल टिकट बिक्री हेतु "यात्री टिकट सुविधा केन्द्र" निजी भागीदारी के आधार पर स्थापित / परिचालित करने आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। स्टेशनों एवं वाईटीएसके की संख्या के विवरण निम्नवत हैं:

क्र.सं.	स्टेशनों के नाम	श्रेणी	YTSK की संख्या
1	वाराणसी	NSG-1	07

कुल स्टेशनों की संख्या –1 (एक) एवं लोकेशनों की संख्या – 07 (सात)

सभी अधिकृत रेलवे टिकट एजेण्ट, जिसमें "भारतीय रेल" के हाल्ट एजेण्ट, रेल ट्रेवेल सर्विस एजेण्ट (RTSA), रेल ट्रेवेल सर्विस एजेण्ट (RTSA), जन साधारण बुकिंग सेवक (JTBS) एवं स्टेशन टिकट बुकिंग एजेण्ट (STBA) और आईआरसीटीसी द्वारा अधिकृत किये गये टिकट एजेण्ट भी शामिल होंगे, जो न्यूनतम दो वर्षों तक कार्य कर चुके हो अथवा वर्तमान में भी कार्य कर रहे हो, इस योजना के तहत आवेदन करने हेतु योग्य / पात्र हैं।

योजना की पूर्ण विवरणी, आवेदन पत्र, चयन मापदण्ड, आवश्यक योग्यता, नियम एवं शर्तें उत्तर रेलवे के वेबसाइट **www.nr.indianrailways.gov.in** भी देखा जा सकता है।

आवेदन सभी निर्धारित एवं प्रासांगिक दस्तावेजों सहित सील बन्द लिफाफे में **"रजिस्टर्ड डाक पावती देय"** के द्वारा **वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक मण्डल रेल प्रबन्धक कार्यालय, उ.रे. लखनऊ–226001 को भिजवाये।**

सीलबन्द लिफाफे पर **"यात्री टिकट सुविधा केन्द्र (वाई.टी.एस.के.) के संचालन हेतु आवेदन"** बड़े अक्षरों में लिखा जाना चाहिए।

आवेदन दिनांक 04.02.2026 को 14:00 बजे तक या पहले जमा कराया जा सकता है। सीलबन्द आवेदन **'वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक मण्डल रेल प्रबन्धक कार्यालय, उ.रे. लखनऊ–226001** में दिनांक 04.02.2026 को 14:00 बजे तक या पहले जमा कराया जा सकता है। दिनांक 04.02.2026 को 14:00 बजे के पश्चात् प्राप्त होने वाले आवेदनों को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

किसी प्रकार के डाक द्वारा विलम्ब के लिये रेलवे प्रशासन जिम्मेदार नहीं है।

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक
उ.रे., लखनऊ

132/26 **ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ**

कोहरे की चपेट में उत्तर भारत, मैदानी इलाकों में बारिश की संभावना

शीतलहर को लेकर दिल्ली में रेड अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर भारत कड़ाके की ठंड की चपेट में है। दिल्ली में तीन साल की सबसे सर्द सुबह दर्ज की गई, जबकि नोएडा और हरियाणा-राजस्थान में तापमान 0 से 2 डिग्री तक पहुंच गया। मौसम विभाग ने शीतलहर और कोहरे को लेकर रेड अलर्ट भी जारी किया है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और पूरे एनसीआर में कड़ाके की ठंड ने जनजीवन पूरी तरह जकड़ लिया है। पूरा उत्तर भारत कोहरे की चपेट में है। बीती सुबह दिल्ली में बीते तीन साल में सबसे सर्द रही, जब न्यूनतम तापमान 3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। ठंडी हवाओं, घने कोहरे और शीतलहर ने लोगों की कंपकंपी बढ़ा दी है। मौसम विभाग ने हालात को देखते हुए दिल्ली-एनसीआर के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। दिल्ली के साथ-साथ नोएडा, गाजियाबाद और पूरे उत्तर भारत में तापमान सामान्य से काफी

नीचे चला गया है। नोएडा में न्यूनतम तापमान दो डिग्री और गाजियाबाद में 4.3 डिग्री दर्ज किया गया। दिन में धूप निकलने के बावजूद ठंड का असर कम नहीं हुआ। राजधानी में लगातार तीसरे दिन शीतलहर की स्थिति बनी रही और अधिकतम तापमान भी सामान्य से नीचे रहा। उत्तर भारत में कहां कितना पारा गिरा? उत्तर भारत के कई राज्यों में ठंड ने रिकॉर्ड के करीब तापमान दर्ज कराया। हरियाणा के हिसार में न्यूनतम तापमान 1.5 डिग्री और नारनौल में 1.8 डिग्री रहा। राजस्थान के करौली में दो डिग्री, अलवर में 3.2 और पिलानी में 5.8 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। पंजाब में एसबीएस नगर में पारा जीरो डिग्री तक पहुंच गया। चंडीगढ़ में सीजन की सबसे सर्द रात रही, जहां तापमान 2.8 डिग्री दर्ज किया गया। हिमाचल में बर्फबारी की संभावना मौसम विभाग के अनुसार 15 जनवरी से एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो सकता है। इसके असर से 16 से 18 जनवरी के बीच राज्य के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश या बर्फबारी की संभावना है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2016/67511 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा दीक्षित प्रिंटिंग प्रेस 120/51/1 मॉडल हाउस लखनऊ से मुद्रित एवं 233जी इंद्रलोक कॉलोनी कृष्ण नगर लखनऊ से प्रकाशित।
E-Mail : mantralko1008@gmail.com । सम्पादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।